आश्विन कृष्ण पक्ष-11, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 95 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

27 सितम्बर 2024 शुक्रवार

आज का मौसम

28 अधिकतम

22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

सीएम ने कहा-रीजनल के बाद जिला स्तर पर भी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होंगे

सागर में बढ़ा निवेश का पानी, डाटा सेंटर समेत कई बड़े ऑफर मिले

सागर, दोपहर मेट्रो।

मप्र में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की श्रंखला में आज सागर में सरकार अपनी नीतियों और विशेषताओं की ब्रांडिंग कर रही है। इसका असर भी नजर आ रहा है और कई निवेशकों ने इस अंचल में उद्योगों के लिये करार करने में दिलचस्पी दिखाई है। शाम तक दो दर्जन प्रस्तावों पर सहमति बनने व निवेश का रास्ता खुलने की उम्मीदें हैं। कान्क्लेव में सीएम डॉ. यादव ने कहा, सागर में डाटा सेंटर स्थापित करने के लिए बड़ा प्रस्ताव मिला है। अब सागर के बाद क्रमशः रीवा, नर्मदापुरम और शहडोल में रीजनल इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद जिला स्तर पर भी कॉन्क्लेव करने और अच्छे परिणाम लाने के लिए कलेक्टर को पाबंद किया गया है। उन्होंने कहा- कॉन्क्लेव का बड़े पैमाने पर असर दिख रहा है। अभी तक 2 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव आए हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था दोगुनी करने का लक्ष्य हम तीन साल में पाने का प्रयास करेंगे।

दरअसल सरकार का इरादा सागर कान्क्लेव के जरिए ओरछा-खजुराहो को डेस्टिनेशन वेडिंग और होटल इंडस्ट्री का हब बनाने का है तो सागर के पुराने बीड़ी और अगरबत्ती उद्योग को पुर्नजीवित करने पर भी फोकस है। छतरपुर के फर्नीचर, दमोह के चने, टीकमगढ़ के अदरक और सागर के टमाटर को देश-दुनिया में पहुंचाने की भी तैयारी है। इस इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 3 हजार से ज्यादा उद्योगपति व प्रतिनिधि शामिल हैं। यह पर्यटन के साथ निवेशक सागर में एग्रो इंडस्ट्रीज और खनन के क्षेत्र में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसका बड़ा कारण यह है कि पूरे बुंदेलखंड और आसपास भरपूर अनाज, सब्जी उत्पादन के साथ सभी जिलों में खनिज मौजूद है। मध्यप्रदेश में 7 महीने में ये चौथी कॉन्क्लेव है। इससे पहले अगस्त में ग्वालियर, जुलाई में जबलपुर और फरवरी में उज्जैन में कॉन्क्लेव हो चुके हैं।

कॉन्क्लेव में दिखाई टूरिज्म बेस्ड मूवी

मध्यप्रदेश में टूरिज्म को लेकर संभावनाएं बताने के लिए कॉन्क्लेव में इन्वेस्टर्स को एमपी टूरिज्म बेस्ड मूवी दिखाई गई। यह भी बताया गया कि हाल ही रिलीज हुई स्त्री -2 मूवी और लापता लेडीज मप्र में बनाई गई। बुंदेलखंड में मूवी शूटिंग के लिए कई स्पॉट हैं। मंगोलिया और थाइलैंड के उद्योगपति भी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं।

कई बड़े औद्योगिक घराने शामिल

सागर कान्क्लेव में जेपी, बिरला ग्रुप और देश-विदेश के बड़े उद्योग घरानों के डेलिगेट्स जुटे हैं। प्रशासन ने सागर यूनिवर्सिटी से पढ़कर विदेशों में उद्योग चला रहे उद्योगपतियों को भी कॉनक्लेव में इनवाइट किया था। पर्यटन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईटीसी को कॉन्क्लेव के लिए बुलाया गया है। यह कंपनी सागर समेत पन्ना राष्ट्रीय उद्यान, ओरछा और खजुराहो में संभावनाएं तलाश रही है। सरकार को उम्मीद है कि अब सागर के साथ ही दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना और निवाड़ी जिले में भी उद्योग, रोजगार, लोकल उत्पादों को आगे बढ़ाने के अवसर मिलेंगे।

लोकल प्रोडक्ट्स पर फोकस

सागर के राहतगढ़ वाटर फॉल को पर्यटन स्थल के रूप में प्रोत्साहित करने की तैयारी है। बीना रिफाइनरी पर भी एमपी सरकार का फोकस है। यहां रिफाइनरी के सहयोगी उद्योगों की स्थापना होगी। रिफाइनरी के आसपास रीन्यूएबल एनर्जी, पेट्रो केमिकल्स, खेती, फूड प्रोसेसिंग और टेक्निकल टेक्सटाइल्स पर राउंड टेबल और सेक्टोरल सेशन किये जा रहे हैं। सरकार एक जिला एक उत्पाद के तहत लोकल प्रोडक्ट पर चर्चा कर रोजगार का जरिया बनाने की दिशा में पहल कर रही है। छतरपुर का फर्नीचर (लकड़ी), टीकमगढ़ का अदरक, पन्ना का आंवला, दमोह का चना, सागर के गढ़ाकोटा के टमाटर को देश-विदेश में पहचान दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कौन होगा नया सीएस फंस गया पेंच !

अपने-अपने हस्तिनापुर को मजबूती से थामे हैं दावेदार, सुपरसीड का खतरा बरकरार

आशीष दुबे, भोपाल

मप्र के नये मुख्यसचिव के लिए काउंटडाउन का दौर है। एक अक्टूबर को नए मुख्यसचिव की आमद होना है। इसके लिए कतार में चार मजबूत दावेदार हैं, सभी अपने-अपने 'हस्तिनापुर' को टटोल रहे हैं। उधर मुख्यमंत्री मोहन यादव दिल्ली से भोपाल लौटे हैं तो माना जा रहा है कि वे इस मामले में कुछ 'नई सहमतियां' बनाकर आए हैं। यदि सूत्रों की मानें तो एक पुराने दावेदार की नई मजबूती अचानक सामने आने से समीकरण बिखर रहे हैं तो नये पेंच भी फंस रहे हैं। इसके चलते 'सरकार' भी पशोपेश में हैं। लिहाजा अंतिम क्षणों तक मौजूदा सीएस की सेवावृध्दि का 'पत्ता' भी जेब में रखा गया है।

मप्र के मुख्यसचिव पद की यह रेस अभी मुख्यतः अनुराग जैन, मो.सुलेमान,राजेश राजौरा व एसएन मिश्रा के बीच मानी जा रही है। विनोद कुमार व जेएन कंसोटिया दावेदारों के बैच में होने के चलते भाग्य भरोसे हैं। मगर सौम्य व लो-प्रोफाइल एसीएस एसएन मिश्रा के नाम की तेज *सरगोशी* से उन अफसरों में हड़कंप है, जिनके पास कार्यकाल तुलनात्मक रूप से मिश्रा से ज्यादा है। दरअसल मिश्रा 90 के बैच के आईएएस हैं तथा उनका कार्यकाल जनवरी तक यानि चार महीने ही शेष है। यदि वे सीएस बनने में कामयाब हो गए तो इसी बैच के सबसे प्रबल दावेदार राजेश राजौरा सुपरसीड हो जाएंगे। 90 के बैच में मिश्रा के ठीक ऊपर राजौरा हैं, जिनके पास मई 2027 तक कार्यकाल है, उनका अभी मुख्यमंत्री सचिवालय में एसीएस होना ही कई संकेत देने के लिए पर्याप्त है, मगर कई तकाजे व तकनीकी जरूरतें भी बाट जोह रहे हैं।

मप्र में वर्ष 89 बैच के दो आईएएस अफसर भी मजबूत नाम हैं। इनमें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अनुराग जैन और मप्र में कार्यरत मो. सुलेमान हैं। जैन का कार्यकाल अगले वर्ष अगस्त तक है, उनका मामला खुद की व केंद्र की इच्छा पर निर्भर हैं, तो सुलेमान के पास खुद का हौसला व जुलाई तक का समय है। इसी बैच के विनोद कुमार के पास मई व कंसोटिया के पास अगस्त तक का सेवाकाल है। खास बात यह है कि यदि वीरा राणा को कुछ महीनों के एक्सटेंशन की नौबत आती है तो जैन, सुलेमान, विनोद कुमार,कंसोटिया व मिश्रा लगभग 'खेत' रहेंगे और यदि मिश्रा लाए जाते हैं उक्त अफसरों के साथ ही यह 'तूफान' राजौरा तक पहुंचकर थमेगा। फिर अलका उपाध्याय, मनोज गोविल, अशोक बर्णवाल की नई उम्मीदें बनेंगी और अगले परवान पर होंगी।

मोहंती प्रकरण से जुड़ता है उम्मीद का एक छोर..

जहां तक मुख्यसचिवों की नियुक्ति में अक्सर कई अफसरों के सुपरसीड होने की कहानियां हैं तो इनमें ताजा किस्सा मुख्यसचिव रहे एसआर मोहंती का भी है। उनके दो साल जूनियर बीपी सिंह को शिवराज सरकार में मुख्यसचिव बनाया गया था, लेकिन बाद में सरकार ने मोहंती को यह पद सौंपा। अब एसएन मिश्रा या अन्य ऐसे किसी मामले में भी यह 'रास्ता' राजौरा या अन्य के लिए निकलता है। एक सीनियर अफसर कहते हैं- जूनियर की ताजपोशी से सीनियर का दावा खत्म नहीं होता, क्योंकि यह महज परंपरा है नियम नहीं, मगर वे जोड़ते हैं-अपवाद छोड़ दें तो अक्सर परंपरा ही भारी पड़ती रही हैं.. !

मप्र में *वह* परंपरा भी टूट रही ...

यूं तो मप्र में नए मुख्यसचिव को नियुक्ति से कुछ दिन या कुछ सप्ताह पहले सीएस कार्यालय में ओएसडी पदस्थ करने की परंपरा रही है, ताकि नया मुखिया प्रशासनिक कामकाज से भलीभांति तालमेल बैठा ले। लेकिन मप्र में मुख्य सचिवों की लगातार सेवावृध्दि व औचक फैसलों के चलते यह परम्परा टूटती चली गई है। इस बार भी मौजूदा मुख्य सचिव का कार्यकाल चार दिन ही शेष है और इस बार भी पुरानी कई परंपरा का टूटना कई अनुमानों को जन्म दे रहा है.. !

सेंसेक्स 86 हजार के करीब पहुंचकर फिसला

मुंबई, एजेंसी।

भारतीय शेयर बाजार फिर तेजी पर है। आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स ने नया ऑल टाइम हाई लेवल छुआ और 86000 के आंकड़े के बिल्कुल करीब पहुंच गया। दूसरी ओर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी ने भी नया उच्च स्तर छू लिया. हालांकि, दोनों इंडेक्स की रफ्तार बेहद धीमी नजर आई, इसके बावजूद कई शेयर तूफानी तेजी के साथ भागते हुए दिखे। हालांकि सेंसेक्स 85,978.25 के नए हाई लेवल पर पहुंचने के बाद 86000 के आंकड़े के नजदीक पहुंचने के बाद इंडेक्स फिसल गया। निफ्टी ने 26,271.85 का ऑल टाइम हाई लेवल छू लिया।

हरियाणा में चुनाव, पंजाब में फूटा जाखड़ बम

चंडीगढ़, एजेंसी।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के सप्ताह भर पहले भाजपा को कड़ा झटका लगा है। पंजाब में पंचायत चुनाव से पहले भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें कांग्रेस छोड़कर आने पर एक साल पहले ही इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक अभी उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ है। इस्तीफे के बाद से जाखड किसी से बात नहीं कर रहे हैं। भाजपा नेता अनिल सरीन का कहना है कि सुनील जाखड़ ने इस्तीफा नहीं दिया है।

जानकारी के मुताबिक वह रवनीत सिंह बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाए जाने से जाखड सख्त नाराज चल रहे थे, बिट्टू लोकसभा चुनाव हार गए थे। हालांकि, बाद में उन्हें राजस्थान सेराज्यसभा भेज दिया गया। इसके अलावा जाखड़ पंजाब में भाजपा नेताओं के कामकाज के तरीके सेभी नाराज हैं।

300 करोड़ का घोटालेबाज साधु वेष में पकडा गया

मथुरा, एजेंसी।

करीब एक साल पहले 300 करोड़ रुपये का घोटाला करके फरार हुआ महाराष्ट्र के एक बैंक का अध्यक्ष वृंदावन में साधु वेष में धरा गया है। बकायदा दाढ़ी-मूंछ कटा कर सफेद धोती और कुर्ता धारण कर चुका था। बीती शाम को महाराष्ट्र पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने जब उसको गिरफ्तार किया तो लोग चौंक गए। वह सुबह से शाम तक मंदिरों में घूमने और रात में किराये के साधारण से मकान में साधु वेषधारी रहता था। इसका नाम बबन विश्वनाथ शिंदे है। बबन महाराष्ट्र के बीड में जिजाऊ महासाहेब मल्टी स्टेट कोआपरेटिव बैंक का अध्यक्ष था। 2013 में बैंक की स्थापना हुई। जुलाई 2023 में बैंक में 300 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया, लेकिन बबन मुकदमा दर्ज होने से पहले ही फरार हो गया।

यमन की मिसाइल को इजरायल ने मारा गिराया

0000, एजेंसी।

इस्राइल और गाजा के बीच करीब एक साल से जारी जंग व हिजबुल्ला से भी तनाव के बीच, यमन ने भी इस्राइल पर मिसाइल दागी। हालांकि, इस्राइली रक्षा बलों का दावा है कि उन्होंने मिसाइल को पहले ही अपने एरो एरियल डिफेंस सिस्टम के जरिए मार गिराया। इसके अलावा एक मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस्राइल ने हिजबुल्ला के साथ संघर्षविराम को खारिज कर दिया है। उधर इस्राइल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका ने तनाव को बढ़ने से रोकने तथा वहां और गाजा में कूटनीति को मौका देने के लिए इस्राइल-लेबनान सीमा पर 21 दिनों के युद्ध विराम का आह्वान किया है। पेंटागन ने कहा कि युद्ध विराम की योजना पर अमेरिकी रक्षा सचिव ब्रिटिश रक्षा सचिव जॉन हीले और ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने सहमति जताई है।

मेट्रो एंकर इस सुपर एक्सप्रेस ट्रेन में मुसाफिरों का टोटा!

कई वंदे भारत सफेद हाथी बनने की राह पर!

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय रेल की वीवीआईपी ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस को पटरियों पर दौडता हवाई जहाज कहा जाता है। रेलवे का दावा है कि यह देश की सबसे तेज चलने वाली ट्रेन है। इसकी स्पीड 150 किलोमीटर प्रति घंटे की है और नियत समय पर चलती है। मगर कई रूट पर आलम यह है कि इसे मुसाफिर नहीं मिल रहे। हालांकि कुछ रूट्स पर तो वंदे भारत पूरी आक्युपेंसी के साथ चलती हैं। लेकिन कुछ ऐसे रूट्स ऐसे भी हैं जहां यात्रियों का जर्बदस्त टोटा है। एक रिपोर्ट में आंकड़ा दिया गया है, जो वातानुकूलित कुर्सी यान का है। इसमें बताया गया है कि ये वंदे भारत रेलवे के लिए सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। इनमें भुबनेश्वर-विशाखापट्टनम, टाटानगर-ब्रम्हपुर, रीवा-भोपाल, कलबुर्गी-बेंगलुरु, उदयपुर-आगरा / जयपुर, दुर्ग-विशाखापट्टनम, नागपुर-सिकंदराबाद जैसे रूट्स शामिल हैं।

हालांकि मीडिया रिपोर्ट की मानें तो रेलवे बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि कई रूट्स पर वंदे भारत चलाने की वजह राजनीतिक भी है। उन रूट्स पर वंदे भारत जैसी महंगी ट्रेन में यात्रा करने के लिए लोगों के पास पैसे हैं या नहीं, इस बात पर विचार नहीं किया गया। राजनीतिक दवाब में वहां वंदे भारत तो चला दिया गया लेकिन वहां पैसेंजर्स नहीं है। ऐसे ही वंदे भारत रेलवे के लिए सफेद हाथी बना हुआ है। गौरतलब है कि वन्दे भारत एक्सप्रेस चलाने का उद्देश्य देश के प्रमुख शहर को इंटरसिटी कनेक्टिविटी देना है। ऐसे शहर जो बिजनेस हब है या औद्योगिक इकाइयों से समृद्ध है या फिर बड़े धार्मिक यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है उन्हें जोड़ने के लिए ये ट्रेन चलाए जा रहे हैं। मुम्बई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, बनारस, पुणे इत्यादि ऐसे ही शहर है। मुम्बई - अहमदाबाद, नई दिल्ली-वाराणसी, नई दिल्ली-कटरा, वाइजाग-सिकंदराबाद, सिकंदराबाद-तिरुपति, दिल्ली के आनंद विहार से देहरादून, त्रिवेंद्रम-कासरगोड, चेन्नई-नागरकोल आदि ऐसे रूट्स हैं, जहां पैसेंजरों की कोई कमी नहीं है।

वाराणसी में दो दो ट्रेन चलाना पडीं

देश में सबसे पहले नई दिल्ली से वाराणसी के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू हुआ था। इस रूट पर पहले एक ही ट्रेन थी, 16 डिब्बों वाली। बाद में इस रूट पर दो वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू किया गया। इसमें भी डिमांड पूरी नहीं हुई तो अब इस रूट पर चलने वाली दोनों वंदे भारत में 20-20 डिब्बे लगाए गए। तभी ये ट्रेन भर कर चलती हैं। इसी तरह मुम्बई और अहमदाबाद के बीच चलने वाली वंदे भारत की खूब डिमांड है।

आप सांसद मालीवाल ने केजरीवाल को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोल दिया है। केजरीवाल ने विधानसभा में बिभव कुमार का नाम लेते हुए जब यह कहा कि उन्हें और उनकी पार्टी के नेताओं को झूठे केस में फंसाकर जेल भेजा गया तो मालीवाल बिफरी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी केजरीवाल जी, जिस गुंडे ने मुझे आपके निवास पर आपकी मौजूदगी में मारा, जब तक वो जेल में था, आपने देश के सबसे महंगे वकीलों की फौज उसे बचाने के लिए खड़ी करी, मेरे खिलाफ पीसी पर पीसी करवाई। आज जब वो शर्तिया बेल पर बाहर है, उसे पार्टी का सबसे बड़े नेता बताकर कह रहे हैं कि वो फर्जी केस में जेल में डाला गया है।

सीएम की दो टूक: खाद और बीज की कालाबाजारी न हो

दावा– केंद्र ने राज्य के कहने पर डीएपी का कोटा बढ़ाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों से दो टूक कहा है कि खाद–बीज की कालाबाजारी किसी भी हालत में नहीं होनी चाहिए। यदि कहीं इस तरह की गतिविधियां हो रही है तो उसे रोका जाए। सख्ती कार्रवाही करें। किसानों को किसी भी स्थिति में असुविधा नहीं होनी चाहिए, इस बात का ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने गुरुवार शाम को निवास पर अधिकारियों की बैठक बुलाई थी, जिसमें कृषि मंत्री एंदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव वीरा राणा मौजूद थीं। मुख्यमंत्री ने मप्र में उपलब्ध खाद, बीज पर अफसरों से जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि खाद व बीज का इंतजाम किया जा रहा है। यह भी जानकारी दी कि पूर्व में केंद्र ने राज्य को करीब 6 लाख मीट्रिक टन डीएपी का आवंटन किया था, जिसे बढ़ाकर 8 लाख कर दिया है। बता दें कि इसके लिए बीते दिनों मुख्यमंत्री ने केंद्र से पत्राचार किया था, विभागीय मंत्री से आग्रह भी किया था कि राज्य को जरुरत के हिसाब से खाद उपलब्ध कराई जाए। उल्लेखनीय है कि खरीफ की फसलों की कटाई शुरू हो चुकी है। अगले महीने कई क्षेत्रों में रबी फसलों की बुआई शुरू हो जाएगी। उसके पहले राज्य में किसान खाद, बीज के लिए परेशान होने लगे हैं। दुकानों में भीड़ लग रही है। कई व्यापारियों ने डीएपी, यूरिया का स्टॉक जमा करके रख लिया है जो बढ़े हुए दामों पर खाद बीज का विक्रय करते हैं।

जनप्रतिनिधियों से भी चर्चा करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर कृषि विकास अधिकारियों को 15 अक्टूबर तक प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फसलों के बोने के क्षेत्र चिन्हित कर आवश्यकतानुरूप खाद-बीज की व्यवस्था करें। अक्टूबर-नवम्बर माह में खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे, जिससे किसानों को कोई असुविधा न हो। जन-प्रतिनिधियों एवं जिलों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से खाद-बीज की उपलब्धता के संबंध में चर्चा करते रहे। वे खुद भी चर्चा करेंगे।

डीएपी का आवंटन बड़ा

केंद्र ने डीएपी का आवंटन बढाकर 8 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है, जबकि रबी 2024-25 के लिए 6 लाख मीट्रिक टन डीएपी के आवंटन की सहमति दी गई थी। डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग के लिए जिलों को निर्देश जारी किए गए, जिससे खरीफ 2024 में डीएपी की कमी परिलक्षित नहीं हुई। डीएपी की कमी की पूर्ति के लिए प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में यूरिया एवं एसएसपी उपलब्ध है।

बालिका से दुष्कर्म व हत्या के मामले की जांच एसआईटी को दी, सरकार फांसी के लिए पैरवी करेगी

मुख्यमंत्री ने कहा– ऐसे लोगों की समाज में कोई जगह नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहजहानाबाद में 5 वर्ष की बेटी से दुष्कर्म और फिर हत्या के मामले की जांच सरकार ने एसआईटी को दे दी है। अब पूरे मामले की जांच एसआईटी के अधिकारी करेंगे। सरकार इस मामले में आरोपियों की दोष सिद्धी और उन्हें न्यायालय द्वारा फांसी की सजा दिलाने की पैरवी करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ऐसे आरोपियों की समाज में कोई जगह नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये समाज का कलंक है। यदि कोई 5 वर्ष की बेटी को नहीं छोड़ रहा है तो इससे अंदाजा लगाया जाना चाहिए कि उसकी मानसिकता किस स्तर तक दूषित हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने एसआईटी को सभी बिंदुओं पर विस्तार से शीघ्र जांच करने और उक्त मामले से जुड़े सभी आरोपियों को पकड़ने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के वीभत्स अपराधों में फांसी का प्रावधान है और हमारी सरकार प्रयास करेगी कि ऐसे अपराधियों को फांसी जैसी कठोरतम सजा मिले। यह भी कहा कि इस तरह के सभी मामलों में फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से शीघ्र न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

पुलिस की कार्रवाही पर उठ रहे सवाल

पुलिस विभाग ने दावा किया था कि बेटी को खोजने में उसने 200 पुलिसकर्मियों को लगाया था। बेटी को बचाने की दिशा में पूरी तरह प्रयास किए गए। लेकिन पुलिस की कार्रवाही की पोल तब खुल गई जब बेटी का शव उसी घर की पानी की टंकी से मिली जहां पुलिस दो से तीन बार सर्चिंग कर चुकी थी। शव तब मिला, जब बदबू आने लगी थी। यदि बदबू नहीं आती तो शव भी नहीं मिलता। ऐसे में पुलिस की सक्रियता और सर्चिंग पर समाज के लोग अब सवाल उठा रहे हैं। यह भी कह रहे हैं कि शायद पुलिस पहले ही बेटी को खोज लेती तो उसे जिंदा भी बचाया जा सकता था।

बेरोजगारी से परेशान युवक ने जहर खाया, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ईटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित के लांबाखेड़ा में एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। वह बेरोजगारी से परेशान था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार लांबाखेड़ा निवासी राहुल सौराष्ट्री (30) बेरोजगार था। काम नहीं मिलने के कारण वह तनाव में रहने लगा था। उसे शराब की लत भी लग गई थी। उसकी शराब पीने की लत से माता-पिता भी परेशान हो गए थे। गत 24 सितंबर को राहुल ने अपने घर में गेहूं में रखने वाली जहरीली गोली खा ली। परिजन उसे बेहोशी की हालत हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां भर्ती कराया गया। बुधवार सुबह इलाज के दौरान राहुल की मौत हो गई।

अजय सिंह बोले- सरकार का फैसला जनविरोधी

आदिवासी क्षेत्रों के सरकारी अस्पताल निजी हाथों में देने का विरोध

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं विधायक अजय सिंह ने सरकारी अस्पतालों को निजी क्षेत्र को सौंपने के सरकार के फैसले को जनविरोधी बताया है। सिंह ने कहा सरकार सीधी का जिला अस्पताल ष्पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिपष् के आधार पर निजी क्षेत्र को सौंपने जा रही है। यह आदिवासी बहुल इलाका है जहां पहले से ही जिले के दूरस्थ अंचल में स्वास्थ्य सुविधाएं और चिकित्सकों का भारी अभाव है। ग्रामीण अस्पताल का व्यवसायीकरण गरीबों के लिए नुकसानदेह होगा। सिंह ने कहा प्रदेश के पिछड़े और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सरकार अस्पतालों को निजी हाथों में देकर अपने दायित्व से बचने का रास्ता निकालने की कोशिश कर रही है। ऐसा लगता है कि सरकार जमीनी हकीकत से बिलकुल अनजान है। सिंह ने कहा कि सरकार पिछड़े और आदिवासी जिलों के सरकारी अस्पतालों को निजी हाथों में देने के फैसले को तत्काल निरस्त करे और इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिये अलग से कार्ययोजना बनाये। उन्होंने कहा कि यदि पिछड़े और आदिवासी जिलों के सरकारी अस्पतालों को निजी हाथों में देने के जनविरोधी फैसले को वापस नहीं लिया गया तो इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।

जवाहर पंजाबी जिला योजना समिति में दिग्विजय के प्रतिनिधि होंगे

भोपाल. पूर्व पार्षद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता जवाहर पंजाबी को पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने भोपाल जिला योजना समिति सांसद प्रतिनिधि मनोनीत किया है इस मनोयन पर पंजाबी को संतोष कसाना,पूर्व पार्षद मोनू सक्सेना बी डी गोतम, लक्ष्मीचंद यादव, सुरेश भागचंदानी, बब्बन बुंदेला, प्रशांत दीक्षित, विनय श्रीवास संजीव कुमार, उत्तम विश्वाश, अजय सोलंकी, आदि ने बधाइयां दी। पंजाबी ने सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने पर श्री दिग्विजय सिंह जी का आभार व्यक्त किया। पंजाबी पूर्व पार्षद के साथ ही वरिष्ठ छात्र नेता, प्रदेश स्तरीय सिंधी कल्याण समिति में सदस्य रहे है।

मप्र में पेसा मोबिलाइजर कॉन्सेप्ट के नतीजे बेहतर मिले: पटेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल नई दिल्ली स्थित में पेसा अधिनियम पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल हुये।इसमें केन्द्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल सहित कई राज्यों के मंत्री,जनप्रतिनिधि, अधिकारी और एक्टीविस्ट शामिल हुये। पटेल ने कहा कि पेसा कानून वर्ष 1996 में नोटिफाइड हुआ था, उस समय मैं संसद सदस्य था। मध्यप्रदेश में पेसा अधिनियम का क्रियान्वयन 15 नवंबर 2022 से नियम बनाकर लागू किया गया। प्रदेश के 20 जिलों के 88 विकासखण्डो की 5133 पंचायतों के 11 हजार 596 ग्रामों में लागू हुआ। इस कानून एक ब?ा क्षेत्र मध्यप्रदेश है, राज्य ने कानून के क्रियान्वयन के लिये उल्लेखनीय कार्य किये हैं। प्रदेश में एक वृहद नेटवर्क बनाया गया है, जिसमें 13 जिला समन्वयक, 81 विकासखण्ड स्तरीय समन्वयक और 4824 पेसा मोबलाइजर नियुक्त किये गये है। पेसा मोबलाइजर एक नया कान्सेप्ट है जिसे राज्य में लागू किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश में बेहतरीन कार्य किया है। पेसा कानून में अब तक ग्राम पंचायतों के निर्वाचन के बाद 165 नवीन ग्राम सभाओं का गठन हुआ है। कानून में सबसे महत्वपूर्ण विषय वित्तीय प्रबंधन है, जिसके तहत राज्य में अब तक 11 हजार 524 खाते खोले गये है, जिसमें ग्राम पंचायतें समितियों को राशि ट्रांसफर करती है। सर्वाधिक बैंक खाते खोलने में मध्यप्रदेश ने सफलता अर्जित की। पटेल ने कहा कि वनाधिकार के सामूहिक दावों के लिए कार्य किया जा रहा है, इंडीविजुअल रूप से पट्टे देने के काम में राज्य ने सफलता अर्जित की है।

मुक्ति की वंशिका का राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता में चयन

मुकिता इन्टरनेशनल स्कूल छात्रा हैं वंशिका

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

मुकिता इन्टरनेशनल स्कूल के 12 विद्यार्थी राज्य स्तरीय (खो-खो) प्रतियोगिता में बालिका विद्यार्थियों की टीम ने हरदा में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें विद्यालय की वंशिका बरगह का चयन राष्ट्रीय जूनियर प्रतियोगिता के लिए हुआ है। झारखंड में 34वीं राष्ट्रीय स्तर जुनियर खो-खो प्रतियोगिता 28 सितंबर से दो अक्टूबर क बीच खेली जाएगी। प्रतियोगिता में सभी राज्यों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय स्पर्धा के चयनित होने पर वंशिका को बधाई देने के लिए विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी जी ने वंशिका बरगह को बधाई देते हुए कहा कि अपनी शक्तियों का निखार करना आपके हाथ में हैं वंशिका जैसे बच्चे देश को आगे बढ़ाते हैं, स्कूल के विद्यार्थी अव्वल रहते है, ऐसे विद्यार्थी समाज व देश का भविष्य होते हैं। कार्यक्रम में के.एस. मूर्ति (कोच), वंशिका को बधाई देते हुए बताया कि खो-खो प्रतियोगिता झारखंड में आयोजित की जायगी। जिसमें वंशिका बरगह का चयन हुआ।

प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क सेमिनार

सबधाणी व विशेष देंगे सफलता के टिप्स

हिरदाराम नगर. सबधाणी कोचिंग की पीएनटी चौराहा, भोपाल ब्रांच में 30 सितंबर को रेलवे एनटीपीसी की 8113 वैकेंसी, एसएससीजीडी की 39481 वैकेंसी, बैंक आईबीपीएस की 3955 और एसबीआई की 3000 वैकेंसी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए सेमिनार होगा। सबधाणी कोचिंग की ए-71, शास्त्री नगर, पीएनटीचौराहा, जवाहरचौकडिपो, भोपाल ब्रांच में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होने वाले इस निशुल्क सेमिनारमें सबधाणी कोचिंग के डायरेक्टरआनंद सबधाणी मोटिवटनल स्पीकर के रूप में स्टूडेंट्स को रेलवे, एसएससी, बैंक, एमपीईएसबी (व्यापमं) आदि परीक्षाओं में सफलता टिप्स देंगे। साथ ही सेमिनार में रीजनिंग एक्सपर्ट सचिन द्विवेदी, इंग्लिश एक्सपर्ट प्रियाजैन, मैथ्स एक्सपर्ट अभिषेक सोनी एवं जीएस एक्सपर्टप वन मिश्रा भी होंगे।

मंत्री ने कहा, उपभोक्ताओं के हित में लगातार हो रहे निर्णय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि उपभोक्ताओं के हित में मप्र राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग द्वारा लगातार निर्णय किये जा रहे हैं। विभिन्न जिला आयोग द्वारा एक जनवरी से 31 अगस्त 2024 तक 4645 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। प्रशासनिक अधिकारी मप्र राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने जानकारी दी है कि जिला गुना 484, सागर 223, भोपाल 428, छतरपुर 203, सीहोर 197, अशोकनगर 197, जबलपुर नं-1 112, जबलपुर नं-2 189, दमोह 188, इंदौर नं-1 72, इंदौर नं-2 173, नर्मदापुरम 155, ग्वालियर 168, रतलाम 114, रीवा 108, टीकमगढ़ 107, हरदा 103, उज्जैन 100, मुरैना 123, नरसिंहपुर 107, विदिशा 101, छिन्दवाड़ा 64, कटनी 61, राजगढ़ 60, देवास 56, खण्डवा 51, पन्ना 44, शिवपुरी 46, बालाघाट 46, भिण्ड 40, सिवनी 39, दतिया 33, झाबुआ 32, नीमच 21, बड़वानी 19, मण्डला 18, सीधी 15, अनूपपुर में 15, धार 12, मण्डलेश्वर 12, बुरहानपुर 9, डिण्डोरी 8 और उमरिया में 7 प्रकरणों का निराकरण किया गया है।

संतनगर में निरंकारी रक्तदान शिविर 28 को

हिरदाराम नगर. संत निरंकारी चेरिटेबल फाउण्डेशन 28 सितम्बर शनिवार को प्रातः 9 बजे से 5ः00 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर मुख्य मार्ग स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन, बैरागढ़ में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है। इस शिविर में रक्तदाता क्यूआर कोड से अथवा लिंक के माध्यम से स्वयं भी पंजीयन कर सकते हैं।

मेट्रो एंकर | फ्लाइंग ऑफिसर प्रेम रामचंदानी के शहादत दिवस पर कार्यक्रम

बच्चों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने किया याद

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

फ्लाइंग आफिसर प्रेम रामचंदानी को शहादत दिवस पर संतनगर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्कार स्कूल में बच्चों और पूज्य सिंधी पंचायत के कार्यक्रम में समाजसेवियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में सन् 1965 के भारत पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए वीर सैनिक फ्लाइंग आफिसर शहीद प्रेम रामचंदानी को उनके शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कर्नल नारायण पारवानी, संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव द्वारा वीर सैनिक प्रेम रामचन्दानी के छाया चित्र पुष्प अर्पित किए। चेलानी ने कहा कि शहीदों की शहादत देश के लिए जान न्यौछावर करने का जज्बा देती है। आज शहीद प्रेमरामचंदानी जी की पुण्यतिथि पर हम उनकी शहादत को याद कर रहे हैं। चेलानी ने बताया कि प्रेम रामचंदानी मात्र 24 वर्ष की उम्र में ही शहीद हो गये थे। कर्नल नारायण पारवानी ने फ्लाइंग आफिसर प्रेम रामचंदानी के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रेम रामचंदानी ने 1965 में भारत-पाक युद्ध के दौरान इस वीर फाइटर पायलट ने 9 बार पाक में घुसकर सफलता पूर्वक मिशन को पूरा किया, लेकिन दसवें हमले में पाक गोलाबारी से उनके क्राफ्ट में आग लग गयी जिसके चलते वह शहीद हो गए थे। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि देश की सेवा करते हुए शहीद होने का गौरव सौभाग्यशालियों को मिलता है। पाक सीमा के घुसकर बम बारी करने के बाद आग लगने के बाद विमान को शत्रुओं से बचाकर वापस भारतीय सीमा में लाने में कामयाब रहे और इस दौरान वे देश की सेवा करते हुए शहीद हो गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर.के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी एवं समस्त शिक्षक-शिक्षकाएँ एवं विद्यार्थीगणों ने प्रेम रामचन्दानी के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

प्रेम रामचंदानी को देश भक्ति का जुनून था: माधु

पूज्य सिंधी पंचायत ने शहीद प्रेम रामचंदानी का शहादत दिवस मनाया। समाजसेवियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया। पंचायत महासचिव माधू चांदवानी ने रामचंदानी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। चांदवानी ने कहा कि प्रेम रामचंदानी में देश भक्ति का जुनून था। पंचायत ने वरिष्ठ समाजसेवी नारायणदास तनवानी को और अहमदाबाद में सिंधी समाज के 7 नौजवानों के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

स्वच्छता ही सेवा 2024

INVEST MADHYA PRADESH
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
7-8 फरवरी 2025, भोपाल

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

नया भविष्य गढ़ता मध्यप्रदेश...

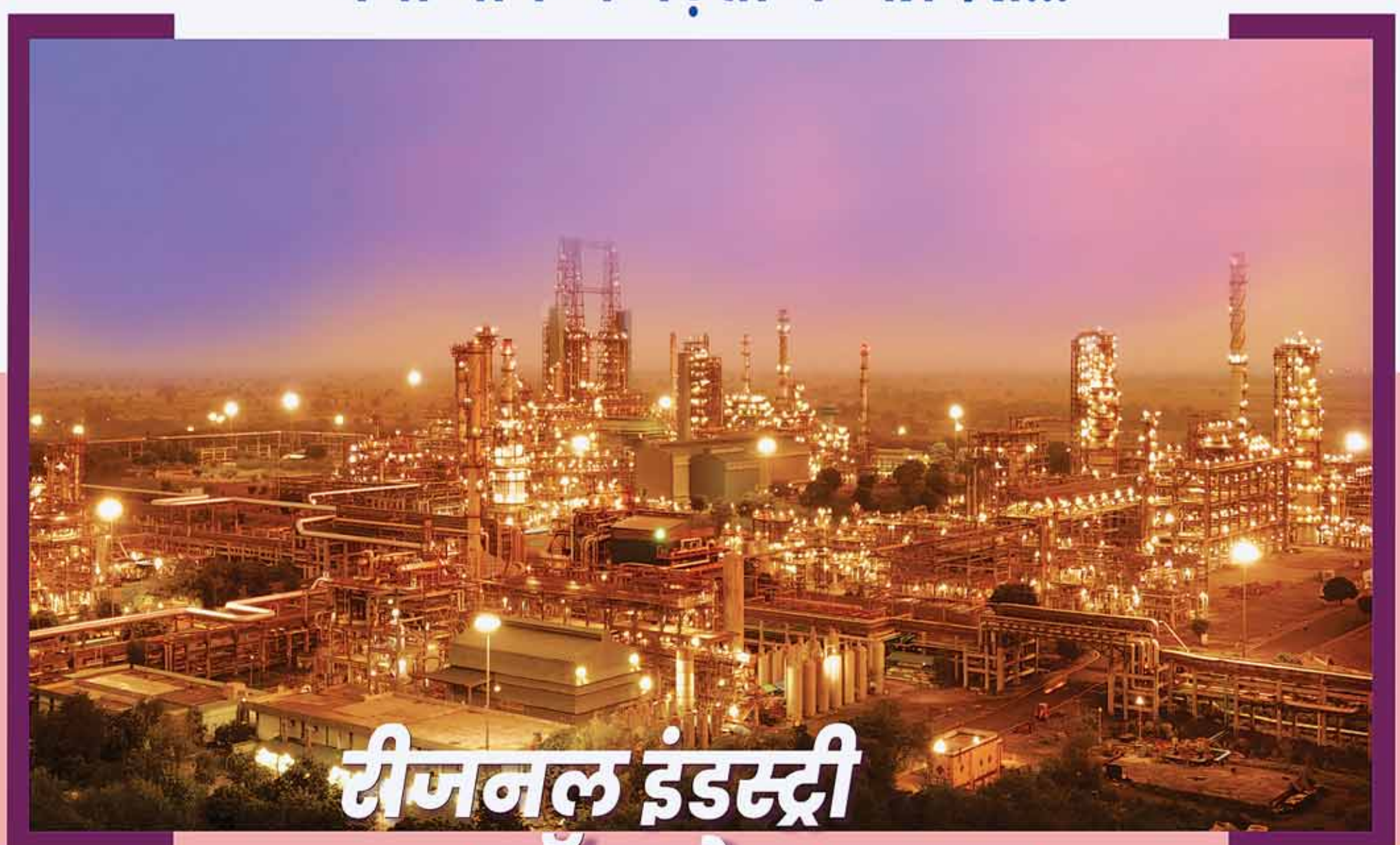

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, सागर

शुभारंभ

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

द्वारा

27 सितंबर, 2024 | पूर्वाह्न 10:00 बजे
जवाहरलाल नेहरु
पुलिस अकादमी ग्राउंड, सागर

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्य बिंदु ▶ 3500+ प्रतिभागी | वन-टू-वन मीटिंग | बायर-सेलर मीटिंग | सेक्टर आधारित सत्र | औद्योगिक इकाइयों हेतु भूमि आवंटन | एक जिला एक उत्पाद (ODOP) पर कार्यशाला | राउंड टेबल मीटिंग | वर्चुअल भूमिपूजन एवं लोकार्पण

फोकस एरिया ▶ पेट्रोकेमिकल्स | नवीकरणीय ऊर्जा | कृषि, डेयरी और खाद्य प्रसंस्करण | कपड़ा और परिधान | माइनिंग और खनिज | हथकरघा और हस्तशिल्प | पर्यटन

"प्रगति के पथ पर अग्रसर बुन्देलखण्ड"

D-11070/24

Website : invest.mp.gov.in

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

EY Knowledge Partner | CII National Partner

MPIDC(@MPIDC)/Twitter | MP Industrial Development Corporation (MPIDC) | MPIDC I Facebook | MPIDC (@mpidc_gomp) | MPIDC - YouTube

संपादकीय

दो नए कल्चर

भा इन दिनों सरकारी कामकाज में तेजी से बढते दो कल्चर चर्चा में भी हैं और विवादों में भी। यह हैं, बुल्डोजर कल्चर और एनकाउंटर कल्चर। हाल में बुल्डोजर कल्चर पर तो सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को हिदायत जारी की हैं और आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाने पर कुछ समय तक रोक भी लगाई है लेकिन बीते कुछ समय से एनकाउंटर में आरोपियों को मारे जाने की घटना भी कम नहीं हुई हैं। बल्कि करीब सात साल पहले उप्र से इसकी नये सिरे से शुरूआत ही हुई है, यद्यपि एनकाउंटर तो दशकों से होते आ रहे हैं, लेकिन तब इसकी जरूरत व पृष्ठभूमि अलग हुआ करती थी। हाल में उप्र में दो एनकाउंटर का सियासी शोर जमकर हुआ है तो महाराष्ट्र के बदलापुर के स्कूल में यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी के मुठभेड़ में मारे जाने को लेकर स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं। बंबई हाईकोर्ट ने इस मुठभेड़ को लेकर महाराष्ट्र पुलिस के कार्य व्यवहार पर कई तीखे सवाल उठाए हैं। अदालत ने इस मुठभेड़ पर शंका जाहिर करते हुए जांच कराने का आदेश दे दिया है। महाराष्ट्र पुलिस पर उठ रहे सवाल उन सभी राज्यों की पुलिस पर भी सवाल हैं, जो मुठभेड़ दिखा कर आरोपियों को मार गिराती और उसे अपनी उपलब्धि बताती हैं। बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ कोई अस्वाभाविक बात नहीं है। मगर इसे लेकर कुछ नियम-कायदे हैं। पुलिस के सामने जब भी ऐसी स्थिति आ जाए और आत्मरक्षा में गोली चलानी ही पड़ जाए, तो कमर के नीचे निशाना साधने का प्रशिक्षण दिया जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों में हुई मुठभेड़ों के दौरान इस नियम-कायदे का पालन कहीं नजर नहीं आता। इससे यही शक होता है कि पुलिस या तो अपनी कुछ कमियों को छिपाना चाहती है या उसे अदालतों पर विश्वास नहीं है, वह खुद फैसला करके दंड देने में यकीन करने लगी है। किसी आरोपी के मारे जाने से उस मामले से जुड़े कई तथ्य खत्म हो जाते हैं। इस तरह मामले की सच्चाई तक पहुंचने के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं। फिर, किसी भी आरोपी को तब तक दोषी नहीं माना जा सकता, जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं, कि किसी मामले में किसी गलत व्यक्ति को आरोपी बना दिया गया। मगर शायद राज्यों की पुलिस इस बात पर ज्यादा भरोसा करने लगी हैं कि आपराधिक मामलों का निर्णय वे खुद करें और वही दंड दें। कुछ नेता भी इसे उचित बता रहे हैं। इसीलिए पिछले दिनों उप्र में हुई मुठभेड़ों को लेकर सियासत गर्म है। उसमें एक आरोपी के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद जातिवादी समीकरण भी साधने का प्रयास किया गया। यह बिल्कुल ठीक नहीं है। मगर मुठभेड़ बता कर किसी आरोपी को मार डालना पुलिस और सरकारों के रवैए पर गहरे सवाल खड़े करता है। यह प्रवृत्ति किसी भी सभ्य समाज और कल्याणकारी सरकार की निशानी नहीं कही जा सकती। मगर इस प्रवृति को थामने के क्या जतन तभी प्रभावी सिध्द हो सकते हैं जब राज्य सरकारें और पुलिस तंत्र खुले मन से इस पर राजी हो। दरअसल जब इस तरह के मामले होते हैं तो पुलिस और सरकार इसे जायज बताने में पूरी शक्ति लगा देती है तो कुछ देर के शोर और सवाल के बाद मामले दब जाते हैं। सख्त कानूनी प्रावधान होने के बाद भी यदि इस तरह के शार्टकट लगातार आजमाए जाएंगे तो यह दीर्घकाल में कोई अजब तस्वीर पैदा कर सकते हैं।

मोदी के तीसरे कार्यकाल में भू-राजनीतिक चुनौतियां

■ जी पार्थसारथी

ज हां कुछ लोग स्वाभाविक रूप से भारत की आर्थिक नीतियों के आलोचक बने रहेंगे, वहीं अब यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्य है कि आर्थिक उदारीकरण के उद्भव और कभी 'लाइसेंस, परमिट, कोटा राज' के रूप में पहचान रखने वाले तंत्र के खात्मे के बाद भारत की विकास दर में तेजी से वृद्धि हुई है। दुनिया भी यह मानती है कि इस बदलाव के मुख्य वास्तुकार डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिनके योगदान को देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद और अधिक मान्यता मिली। यह भी उल्लेखनीय है कि मुक्त अर्थव्यवस्था के लिए उठाए उनके कदमों ने नई मंज़िलें तय की हैं। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत को मान्यता प्राप्त है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का अनुमान है कि मौजूदा साल में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी।

बहरहाल, यह बात ज़हन में ध्यान में रखनी चाहिए कि दुनिया में इसकी हैसियत और प्रभाव काफी हद तक आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र की प्रगति से निर्धारित होगा। इन अनिवार्यताओं के परिप्रेक्ष्य में, भारत के लिए अपने निकटतम पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है। इससे लाल सागर और फारस की खाड़ी से लेकर पश्चिम में मलक्का जलडमरूमध्य तक फैले क्षेत्र में सुरक्षा और शांति सुनिश्चित होगी। अब यह व्यापक रूप से सर्वविदित है कि भारत को अपनी सीमाओं से परे जिन मुख्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाएं और नीतियों से पैदा हुई हैं।भारत की लंबे समय से कोशिश रही है कि ईरान और अरब राज्यों सहित उस तेल संपन्न (फारस) खाड़ी क्षेत्र के साथ संबंध घनिष्ठ बने रहें, जहां पर लगभग 60 लाख भारतीय कामगार रोजी-रोटी कमा रहे हैं। एक तरफ भारत ने सऊदी अरब के साथ संबंध प्रगाढ़ किए हैं तो वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ अपने पहले से मजबूत संबंधों को और सुदृढ़ किया है। राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा सऊदी अरब राजघराने को लेकर की गई असंयमित टिप्पणियों के बाद दोनों मुल्कों के बीच आई खटास को फिर से कामकाजी सौहार्द का रूप देने में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन ज़ायद अल नाहयान ने भी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन और सउदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच वार्ता में भाग लिया। कहा जाता है कि इस बैठक के सूत्रधार भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल रहे। संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और भारत के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने के बाद जल्द ही इस पर मुहर लग गई। अब भारत के पास समूचे हिंद महासागरीय तटों पर, छह पड़ोसी अरब खाड़ी मुल्कों के साथ मिलकर, एक सकारात्मक और सहयोगात्मक भूमिका निभाने का मंच तैयार है।

भारत-अमेरिका संबंधों में तब काफी मजबूती आई जब अमेरिका ने फैसला किया कि हिंद महासागर में चीनी ताकत में हो रही वृद्धि को संतुलित करने में भारत उपयोगी हो सकता है और यह करने की हैसियत भी रखता है। दोस्ती के दिखावे के बावजूद, चीन की नीतियां भारतीय प्रभाव को सीमित करने और नियंत्रित करने से बंधी हुई हैं। चीन पाकिस्तान को मिसाइलें और परमाणु हथियार देकर उसकी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने का काम जारी रखे हुए है। अफगानिस्तान की तरफ लगती भारत की पश्चिमी सीमाओं पर वह पाकिस्तान के साथ घनिष्ठ सहयोग बनाते हुए काम कर रहा है। ईरान के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत के हालिया कदम, जिसमें सामरिक महत्व के चाबहार बंदरगाह का विकास कार्य भी शामिल है, यह मध्य एशिया तक भारत की आर्थिक एवं समुद्री पहुंच बनाने में मददगार तो होगा ही बल्कि इससे अफगानिस्तान तक भारत के पहुंच मार्गों में अड़चन डालने के पाकिस्तानी प्रयास भी बेकार जाएंगे।

एक समय ईरान के साथ भारत के बढ़ते संबंधों पर अमेरिका ने आपत्ति जताई थी, किंतु अब लगता है कि भारत द्वारा अफगानिस्तान और ईरान को जोड़ने वाले परिवहन गलियारा परियोजना को आगे बढ़ाने में वह भी राज़ी है। महत्वपूर्ण यह भी कि इसके पूरा होने पर रावलपिंडी में बैठे पाकिस्तानी सेना के कर्ता-धर्ताओं की अफगानिस्तान, ईरान और मध्य एशिया तक भारत के पहुंच मार्ग में बाधा डालने की गुंजाइश जाती रहेगी। भारत के लिए यह बंदरगाह अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बन जाएगा, जो आगे भारत को समुद्री, रेल और सड़क मार्ग से मध्य एशिया, रूस और अंततः यूरोप से जोड़ेगा।

भारत-अमेरिका संबंधों पर साया डालने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है अमेरिकी मीडिया द्वारा भारत में लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के तथाकथित उल्लंघन की निरंतर आलोचना, जाहिर है इसके पीछे अमेरिकी प्रशासन की शह है। भारत उन चंद देशों में एक होगा जहां के नेतृत्व और लोगों ने राष्ट्रपति ट्रम्प को उनके भारत दौरे के दौरान दोस्ताना, किंतु बेबाक पाया। भारत को भरोसा है कि दोनों देशों के बीच संबंध बढ़ेगा, चाहे आगामी राष्ट्रपति चुनाव में जीत कमला हैरिस की हो या ट्रम्प की।

तथापि, अमेरिका और भारत के बीच नौवहनीय सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के साथ दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है। गाजा पर इस्त्राइल के कब्जे और समुद्री डकैती प्रकरणों से हिंद महासागर के गहरे समुद्री भाग में बने तनाव और लूटमार की वारदातों के बाद यह एक महत्वपूर्ण घटना है। मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर फारस की खाड़ी तक के इलाके समेत समूचे हिंद महासागरीय क्षेत्र में चीन की बढ़ती दबंगता के आलोक में अमेरिका भारत को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में लेना जारी रखे हुए है।

चीन और पाकिस्तान के साथ अपनी सीमाओं पर भारत की समस्याएं और तनाव आगे भी बने रहेंगे। लगभग दिवालिया होने के बावजूद, पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए बज़िद लगता है। भारत के समक्ष एक तरफ शरीफ बंधु है जिन्होंने अपने नागरिक प्रतिष्ठानों और पाकिस्तान को दिवालियापन की कगार पर पहुंचा दिया है तो दूसरी तरफ वह पाकिस्तानी सेना प्रमुख (जनरल असीम मुनीर) हैं जिनका स्वभाव उग्र है और देश की राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों के निर्धारण में काफी प्रभाव है। जनरल मुनीर भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने पर आमादा हैं, खासकर जम्मू और कश्मीर में। भारत को जनरल मुनीर द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का कूटनीतिक और सैन्य, दोनों तरह से, जवाब देने की जरूरत है।

भारत को जनरल असीम मुनीर के मंसूबों पर कड़ी नज़र रखने की ज़रूरत है। अफ़गानिस्तान के साथ लगती अपनी सीमाओं पर जारी तनाव से निपटने में पाकिस्तान बेतरह फंसा हुआ है। इस बीच, भारत और ईरान, दोनों के अफगानिस्तान के साथ रचनात्मक संबंध बने हुए हैं, जिसमें भारत का ध्यान मुख्य रूप से आर्थिक सहयोग पर केंद्रित है, जबकि ठीक इसी वक्त पाकिस्तान को शामिल किए बिना, भारत अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ 'पर्दे के पीछे' संवाद जारी रखे हुए है, जिससे पाकिस्तान के पास उसे बैठकों में न बुलाने को लेकर भारत को दुष्प्रचार का निशाना बनाने का मौका नहीं बचता। इसके साथ ही, अगर पाकिस्तान भारत में आतंकवाद को प्रायोजित करना जारी रखता है, तो भारत को उचित निवारण कार्रवाई करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

(साभार : लेखक पूर्व राजनियक हैं। यह उनके अपने विचार हैं)

आज का इतिहास

- 1290- चीन के चिली की खाड़ी में भूकंप से करीब एक लाख लोगों की मौत।
- 1760- बंगाल के नवाब के रूप में मीर कासिम की ताजपोशी।
- 1821- मैक्सिको को स्वतंत्रता मिली।
- 1825- इंग्लैंड में स्टॉकटन-डार्लिंगटन लाइन की शुरुआत के साथ दुनिया का पहला सार्वजनिक रेल परिवहन शुरू।
- 1940- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इटली,जर्मनी एवं जापान ने धुरी राष्ट्र के समझौते पर हस्ताक्षर किया।
- 1958- मिहिर सेन ब्रिटिश चैनल को तैर कर पार करने वाले पहले भारतीय बने।
- 1961- सिएरा लियोन संयुक्त राष्ट्र का सौवां सदस्य बना।
- 1988- अमेरिकी अंतरिक्ष यान डिस्कवरीका केप कैनेवरल से प्रक्षेपण।
- 1995- बोस्निया में संघर्षरत तीन दलों के मध्य अमेरिकी मध्यस्थता में समझौता।
- 1996- अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान द्वारा क़ाबुल पर अधिकार, पूर्व राष्ट्रपति नजीबुल्लाह एवं उनके भाई को सरेआम फ़ांसी।
- 1998- इंटरनेट सर्च इंजन गूगल की स्थापना।
- 1998- जर्मनी में सम्पन्न हुए चुनाव में गेरहार्ड श्रोयडर ने हेल्मट कोल को हराकर नये चांसलर बने।
- 2000- वेनेजुएला की राजधानी काराकस में ओपेक देशों का शिखर सम्मेलन शुरू।
- 2002- न्यूयार्क में विश्व बैंक व आईएमएफ़ की वार्षिक बैठक शुरू।
- 2003- ध्वनि से भी अधिक तेज़ गति से उड़ने वाले ब्रिटिश एयर के कांकर्ड विमान ने न्यूयार्क से लंदन के लिए आख़िरी उड़ान भरी।
- 2005- बिल गेट्स लगातार ग्यारहवें साल दुनिया के सबसे धनी व्यक्ति बने।
- 2007- पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए परचा भरा।
- 2009- भारत-पाक के विदेश मंत्रियों की बातचीत शुरू।
- 2015- भारतीय राजनीतिज्ञ, लेखक और कांग्रेस के सदस्य सैयद अहमद का निधन।
- 2020- भाजपा के वरिष्ठ नेता जसवंत सिंह का निधन।

क्या रिश्वतखोरी, लूट, असमंजस और भ्रम में चलेगा अभियान?

■ प्रवीण बागी

पू रा बिहार अभी भूमि सर्वे के चक्कर में उलझ गया है। विभिन्न मंत्रियों के अलग-अलग राग अलापने के कारण यह दिन-प्रतिदिन और उलझता जा रहा है। आगे क्या होगा यह किसी को साफ नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री इस पर पूरी तरह मौन हैं। उधर इस सर्वे में अपनी जमीन बचाने के लिए परेशान लोगों को रिश्वतखोर लोग भी लूट रहे हैं। दावे सिद्ध करने के चक्कर में आपस में मार काट भी मची हुई है।दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर बिहार में भूमि सर्वे अभियान चल रहा है। पिछला सर्वे 1920 में अंग्रेजी शासनकाल में हुआ था। आजादी के बाद भूमि सर्वे करने के कई बार प्रयास हुए पर वे सफल नहीं हो सके। अब यह बीड़ा नीतीश कुमार ने उठाया है। निसंदेह यह एक सराहनीय पहल है। इससे भूमि विवादों का निपटारा हो जाएगा।

सर्वे कराने की जिम्मेवारी भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग की है। विभाग इसको लेकर कितना गंभीर है, इस पर अनेक राय हैं। विभाग के मंत्री डॉक्टर दिलीप कुमार जायसवाल इसको लेकर जो बयान दे रहे हैं, उससे भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। अधिकारी से लेकर रैयत तक सब असमंजस में हैं। अभी ताजा उदाहरण 24 सितंबर का है। मंत्री ने सर्वे में आ रही दिक्कतों को दूर करने तथा सुझाव और शिकायत दर्ज कराने के लिए एक टॉल फ्री नंबर जारी किया। नंबर है-18003456215। मजेदार बात यह है कि यह नंबर हमेशा व्यस्त मिलता है। मैंने दो दिन में करीब 10 बार फोन किया लेकिन जवाब हमेशा एक ही रहता है। चाहें तो आप भी कोशिश कर सकते हैं।सर्वे की अंतिम तिथि के बारे में सरकार के जिम्मेवार लोग खुद भ्रम फैला रहे हैं। ग्राम सभाओं में अंतिम तिथि 24 सितंबर बताई गई। फिर 7 सितंबर को विभागीय मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल का बयान आया कि कोई अंतिम तिथि नहीं है। 15 सितंबर को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी दोहराया कि जब तक सभी लोग संतुष्ट नहीं हो जाते, सर्वे का काम जारी रहेगा।फिर 20 सितंबर को राजस्व मंत्री जायसवाल पूर्णिया में घोषणा करते हैं कि कागजात खोजने के लिए किसानों को 3 महीने का समय दिया गया है। यानी 3 महीने की सीमा रेखा खींच दी गई। कई अखबारों ने इसका मतलब निकाला कि सर्वे तीन माह के लिए स्थगित हो गया।

फिर 24 तारीख को टॉल फ्री नंबर जारी करते हुए विभागीय मंत्री ने कहा कि सर्वे से संबंधित स्वघोषणा देने की तिथि 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। अब इसमें से किस बयान को सही माना जाए, यह सवाल उठ खड़ा हुआ है। उधर मुख्यमंत्री पूरे प्रकरण पर चुप हैं। जमीन मालिक परेशान हैं। उनसे छोटे मोटे काम के भी मोटी रकम वसूली जा रही है। यानी इस सर्वे अभियान को डिरेल करने में सरकार के ही लोग लगे हुए हैं। ऐसे में इसकी सफलता संदिग्ध है। हिंदी में एक शब्द है ढपोरशंख।यह शब्द भूमि सर्वे के संदर्भ में नीतीश कुमार सरकार पर फिट बैठता है। करनी -कथनी का फर्क स्पष्ट है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

यह दुनिया खुशी के पीछे भाग रही है। अगर आप खुश है तो कभी अकेले नहीं रहेंगे।

निशाना

आ गई वो बेला !

-कृष्णेन्द्र राय

हैं सारे सतर्क ।
भर रहे ललकार ।।
देखते हैं कितना ।
हो पाता उद्धार ।।
आ गई वो बेला ।
हुआ जिसका इंतज़ार ।।
मन ही मन पहनने को ।
हैं आतुर अब हार ।।
भले हो जग हंसाई ।
चलते हर पल चाल ।।
हैं लगते तैयार ।
करने को बवाल ।।
पर फैसला जनता का ।
क्यों नहीं स्वीकार ।।
पर लगता है जल्द ही ।
होंगे सब फरार ।।

बलात्कारी की गिरफ्तारी और फांसी की सजा दिलाने के लिए सर्व समाज ने निकाली रैली

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

हरदा जिले की खिड़किया तहसील के ग्राम खेड़ा की एक नाबालिग 4 साल की अबोध बालिका के साथ हुए जघन्य कुकृत्य करने वाला के आरोपी सुनील कोरकू की गिरफ्तारी और कठोर दंडात्मक कार्यवाही किये जाने के लिए सिवनी मालवा सेन समाज के आव्हान पर सर्व समाज ने रेली निकाल कर नायब तहसीलदार नितिन राय को ज्ञापन दिया।

सर्व समाज के लोगो ने गणेश मंदिर से हाथों मे तख्तियां लेकर रेली निकाली जो आरोपी सुनील कोरकू की गिरफ्तार करने उसपर कठोर कार्यवाही करते हुए फांसी देने के नारे लगा रहे थे। रेली मुख्यमार्ग से होती हुई तहसील कार्यालय पहुंची। जहा ज्ञापन नायब तहसीलदार नितिन राय को मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम का सौंपा। रेली और ज्ञापन देते समय सर्व समाज के लोग सेन समाज के आव्हान पर ब्राह्मण समाज से प्रवीण अवस्थी, अतुल शर्मा, राठौर समाज से राजू राठौर, शिवसेना से प्रदेश उपाध्यक्ष पिंटू राठौर, कुचबंदिया समाज से संदेश कुचबंदिया, सागर कनक, मुस्लिम समाज से अरमान मंसुरी, सीताराम ग्रुप से सुरज मिश्रा, राजपूत समाज से दुर्गेश राजपूत, मिश्रीलाल सराठे, भाजयुमो, भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों सहित सभी समाज के बंधु उपस्थित रहे। सभी का आभार मानते हुए सेन समाज अध्यक्ष विष्णु गेहलोत (नाना भैया) ने कहा कि ऐसे अपराधी को जो समाज के घातक है। ऐसे तत्काल गिरफ्तार कर उसका प्रकरण फास्ट ट्रेक कोर्ट मे चला कर फांसी दिया जाना चाहिए। सेन समाज सर्व समाज का आभारी है जिन्होंने हमारे आव्हान पर यहां आकर सहयोग देते हुए अपराधी सुनील कोरकू को दंडित करने की मांग मे अपना योगदान दिया। इस दौरान नगर मे सेन समाज ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर अपना विरोध दर्ज कराया।

नव पदस्थ ई ई विधुत/यांत्रिकीय ने सुधार के प्रयास शुरू किए

जिले की नहरों के गेट हुए क्षतिग्रस्त किसान और अफसर परेशान

जल संसाधन संभाग (विधुत यांत्रिक)ने नहरों के रखरखाव में बरती लापरवाही

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

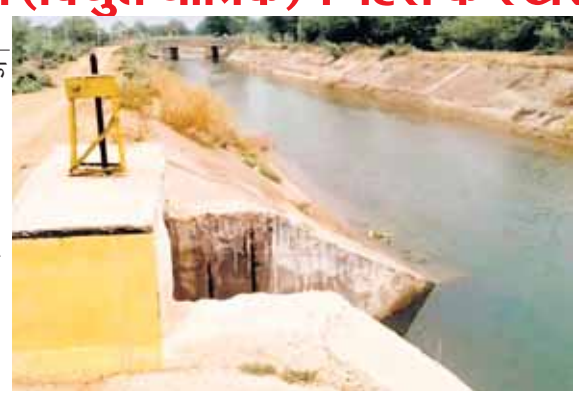

खेतों में सुविधाजनक और समय पर सिंचाई करने के लिए नहरों का सुचारू रूप से संचालन होना आवश्यक है. लेकिन हरदा जिले के हरदा डिवीज़न एवं टिमरनी डिवीजन की नहरों के रखरखाव को लेकर संसाधन विभाग के विधुत/यंत्रिकीय उप संभाग की निष्क्रियता सामने आ रही है. इन दोनों डिवीजन में जितनी भी माइनर है उनमें से अधिकांश के गेट क्षतिग्रस्त हो गए हैं. कुछ माइनर तो ऐसी है जिनमें कई सालों से गेट भी नहीं है. ऐसी नहरों से पानी का प्रवाह सुचारू रूप से होना संभव नहीं है.

क्षतिग्रस्त गेट होने से विभागीय अफसर एवं किसान दोनों ही परेशानी का सामना कर रहे हैं. किसान अपनी शिकायत अधिकारियों से करते हैं और अधिकारी समस्या को लेकर ऊपर स्तर पर लिखा पढ़ी तो कर देते हैं लेकिन समस्या का हल नहीं करा पाते .

जल संसाधन विभाग का विद्युत यांत्रिकी संभाग ही हरदा जिले की नहरों के रखरखाव को लेकर जिम्मेदार कहा जाता है. विद्युत यांत्रिकीय संभाग का दायित्व होता है कि वह नहर के गेटों की रिपेयरिंग करें. उन पर ग्रीसिंग करें ताकि उन्हें खोलने और बंद करने में परेशानी ना हो. 2 साल से भी अधिक समय हो गया है लेकिन इन दोनों संभाग की नहरों के गेटों को लेकर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं गया. जल संसाधन संभाग विद्युत यांत्रिकी नर्मदा पुरम में करीब 6 साल तक कार्यपालन यंत्री रूप में ताम्रकार पदस्थ रहे लेकिन उनके कार्यकाल में मरम्मत संबंधी काम को लेकर काफ़ी लापरवाही बरती गई.वह तो सिर्फ अपने फायदे के कामों पर फोकस करते रहे। अभी 4 महीने पहले संतोष कुमार चौबे कार्य पालन यंत्री के रूप में विद्युत यांत्रिकीय जल संसाध न संभाग नर्मदा पुरम में पदस्थ हुए हैं. जो नेहरों की यांत्रिक समस्याओं को लेकर गंभीर है. उनके द्वारा समस्या निराकरण के प्रयास भी किए जा रहे हैं.

नेहरों के गेटों के रखरखाव की जिम्मेदारी विद्युत यांत्रिकी संभाग की है..

जल संसाधन विभाग में सिविल संभाग का काम सिंचाई व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखना है. विद्युत ांत्रिकीय संभाग की जिम्मेदारी रहती है कि वह नेहरों में फिट यंत्रों की मरम्मत करें तथा खराब हो गए हैं तो उनको बदलें। विद्युत यांत्रिकीय जल संसाधन संभाग नर्मदापुरम के अंतर्गत बैतूल हरदा एवं नर्मदापुरम जिला आते हैं. नर्मदापुरम मुख्यालय में कार्यपालन यंत्री पदस्थ हैं जबकि अन्य जिलों में अनुभाग अधिकारियों के दफ्तर है जो जल संसाधन सिविल दफ्तरों के अंतर्गत काम देखते हैं। हरदा जिले में दो सिविल संभाग है. इन दोनों संभागों के अंतर्गत संचालित नहरों के यंत्रों की देखभाल तथा मरम्मत आदि काम की जिम्मेदारी विद्युत यांत्रिकी संभाग की है. सिविल संभाग के अधिकारी नहरों में लगे यंत्रों को लेकर अपनी डिमांड विद्युत यांत्रिकी दफ्तर में भेजते हैं.साथ ही मरम्मत कार्य कराने का कबरिंग लेटर लगाते हैं। हरदा जिले के सिविल अधिकारी 2 साल से नेहरों के गेटों की मरम्मत तथा बदले जाने की बात विद्युत यांत्रिक संभाग के अधिकारियों को लिखित में बता रहे हैं फिर भी नहरों की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है. हरदा जिले की करीबन 40-50 ऐसी नहरें हैं जिनके गेट क्षतिग्रस्त है. कुछ में तो गेट है ही नहीं।

इनका कहना है-

मुझे यहां पदस्थ हुए अभी ज्यादा समय नहीं हुआ है. मेरे सामने एसडीओ विद्युत यांत्रिक उप संभाग हरदा द्वारा अभी कोई ऐसी समस्या के बारे में नहीं बताया गया जो सिविल संभाग की नेहरों में आ रही हो. यदि हरदा जिले की नहरों में गेटों की समस्या है तो समस्या का शीघ्र निदान किया जाएगा.

-एस के चौबे, *कार्यपालन यंत्री जल संसाधन संभाग (वि/यां) नर्मदापुरम*

दो साल से भी ज्यादा समय हो गया है. जब से यहाँ की नहरों के गेट क्षतिग्रस्त हैं, सिंचाई के समय जल प्रवाहित करने में परेशानी होती है. कई माईनरों में तो गेट है ही नहीं. ऐसे में नहर के पानी को बंद चालू करने में बड़ी दिक्कत होती है. जैसे तैसे जुगाड़ बिठाकर कम चलाया जाता है.

यहां पर विद्युत यांत्रिकी उप संभाग का दफ्तर है इस दफ्तर में भी कई बार डिमांड दे चुके हैं लेकिन समस्या यथावत है.

-मौसम पोरते, *एसडीओ*
जल संसाधन उप संभाग (सिविल) हरदा

डोलरिया स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा स्वच्छता मित्रों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासन के निर्देशानुसार ''स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'' की थीम पर संचालित होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान-2024 अंतर्गत ब्लॉक मेडीकल ऑफिसर डॉ राजेश मीना एवं सीईओ जनपद पंचायत हेमंत सूत्रकार के नेतृत्व में ग्राम पंचायत भवन डोलरिया में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्व'छता मित्र एवं स्वच्छाग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें शासकीय योजनाओं में पात्रता अनुसार लाभान्वित किया गया। ब्लाक मेडीकल ऑफिसर डॉ राजेश मीना के साथ सुपरवाईजर नारायण गौर, सीएचओ संतोष चौरे, सीएचओ दीक्षा गौर, एएनएम नीतू चौरे फार्मासिस्ट हरिओम पंकज ,एवं लेब टेक्नेसियन नीलम विश्वकर्मा के द्वारा सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें बीपी, सुगर, लिपिड प्रोफाइल, हेपेटाइटिस एवं सिकल सेल का परीक्षण किया गया। सीईओ जनपद पंचायत नर्मदपुरम हेमंत सूत्रकार ने बताया कि शिविर में विकास खण्ड के स्व'छता मित्र एवं स्वछाग्राहियों को बुलाया गया एवं जो लोग स्व'छता के कार्य में संलग्न हैं उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिले एवं सभी का स्वास्थ्य बेहतर रहे इसी उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया।

संविधान के निर्माता डॉ अम्बेडकर पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

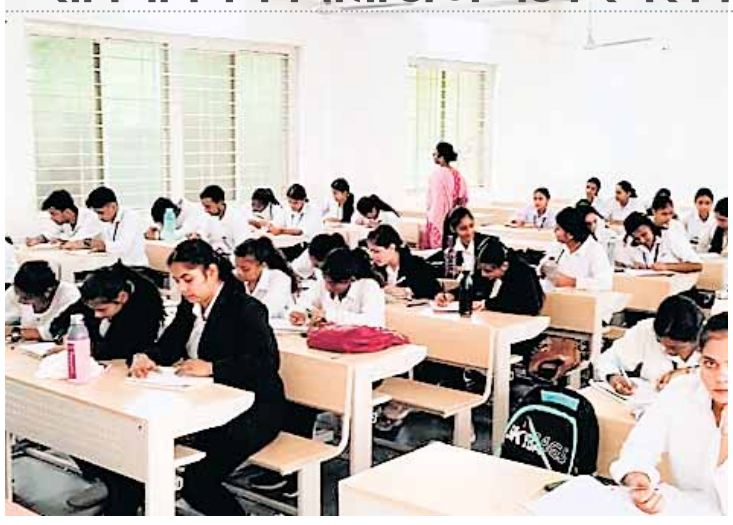

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस,नर्मदा कालेज में जिला न्यायालय नर्मदा पुरम के निर्देशानुसार ÷संविधान के निर्माता ञभीमराव अंबेडकर÷विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संविधान निर्माण में भीमराव अंबेडकर के योगदान के बारे में छात्रों को जागरूक करने व हिंदी भाषा के प्रति उनकी रुचि को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई । प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पंकज गर्ग, द्वितीय आस्था सरेयाम, तथा तृतीय स्थान पर रुशाली गहलोत रहीं।इस दौरान प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने छात्रों को बताया कि बाबासाहेब आंबेडकर एक समाज सुधारक होने के साथ साथ एक वकील, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ एवं भारतीय संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे।विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ अपूर्वा वर्मा ने विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने न सिर्फ सामाजिक असमानता के खिलाफ लड़ाई लडी बल्कि महिला सशक्तिकरण यूनिफॉर्म सिविल कोड , मौलिक दायित्व के मुद्दों पर भी अपनी बात रखी।

भोपाल में पढ़ने वाले युवक का शव मिला नर्मदा नदी के भिलाडिया घाट में

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा शिवपुर थाने के अंतर्गत आने वाले नर्मदा जी के भिलाड़िया घाट में मिले शव की पहचान सोहागपुर निवासी विवेक सोनी के रूप में हुई । जो भोपाल से एमसीए फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था। शिवपुर पुलिस ने बुधवार की रात में ही शव निकाल कर सिवनी मालवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पीएम के लिए भिजवाया था।

शिवपुर थाना प्रभारी विवेक यादव ने अज्ञात मृतक की जानकारी और फोटो नर्मदापुरम कंट्रोल रूम को भेजी थी कंट्रोल रूम ने बताया कि मृतक सोहागपुर तहसील का निवासी है जो भोपाल में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहा था । यह जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई। देर रात परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान की मिली जानकारी के अनुसार मृतक विशाल सोनी नर्मदा पुरम जिले की सुहागपुर तहसील का रहने वाला था जो भोपाल से एमसीए फर्स्ट ईयर की पढ़ाई कर रहा था। इसी साल उसने एडमिशन लिया। उसने भोपाल विवेकानंद नगर करोंद में 15 सितंबर को ही किराए का रूम लिया था। छात्र ने लापता होने से पहले अपनी मां को मैसेज कर दुनिया से अलविदा होने के बारे में लिखा। मैसेज में उसने कमर, घुटने दर्द की बीमारी की भी जिक्र किया। 19 सितंबर को वह सोहागपुर से भोपाल पढ़ाई के लिए पहुंचा। भोपाल में दो दिन रहने के बाद 21 सितंबर को लापता हो गया । रात 4 बजे उसने दो पेज के मैसेज मां को भेजा था। जिसमें उसने अपना दर्द और व्यथा लिखी थी। सुबह मैसेज देखने के बाद परिजन ने उसे कॉल किया पर कॉल रिसीव नहीं हुआ। उसके बाद परिजन उसकी तलाश में भोपाल पहुंचे 22 सितंबर की रात 9 बजे उसकी बाइक नर्मदापुरम में बुधनी रोड नर्मदा ब्रिज पर मिली। जिसके बाद पुलिस और परिजन उसकी तलाश नर्मदा नदी में कर रहे थे । पुलिस और मृतक के परिजन मृतक को नर्मदा ब्रिज और आसपास ढूंढते रहे जबकि नर्मदा में शव बहकर बुधवार रात को सिवनी मालवा तहसील के अंतर्गत भिलाडया घाट पर नाविकों को दिखाई दिया।स्थानीय लोगों ने शिवपुर पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी विवेक यादव मौके पर

दुष्कर्म के आरोपी की गिरफ्तारी और फांसी की मांग को लेकर हरदा कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शिवानी सिसोदिया के नेतृत्व में हरदा जिले के कलेक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक से आरोपी की गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग को लेकर ज्ञापन सोफा।

ज्ञापन में मांग की है कि 4 वर्ष की नाबालिक अबोध बालिका के साथ बलात्कार के आरोपी के खिलाफ कठोर से कठोर दंडात्मक फांसी की सजा की कार्यवाही की जाए। संगठन द्वारा जिसमे प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती लीना यादव सिवनी मालवा एवं प्रदेश प्रचारक समाजसेविका नीलकमल उपाध्याय सिवनी मालवा एवं नर्मदापुरम संगठन जिला अध्यक्ष ललित पटेल गुर्जर एवं महिला मोर्चा मातृशक्ति हरदा जिला अध्यक्ष सुनीता बागरे गुर्जर संगठन मंत्री अनीता लोवंशी उपाध्यक्ष किरण लोवंशी वरिष्ठ पदाधिकारी आशा राजपूत सुरक्षा समिति हरदा की शोभा राजपूत विनोद गुर्जर (बचखाल) किरण स्वाति मीनाक्षी रानू प्रियंका केशव मंडलोई मनीष राजपूत श्रद्धा राजपूत मोनिका यादव वंदना गुर्जर प्रियंका जाट सोनम मीना राहुल जलखरे एवं संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवम सर्व समाज के पदाधिकारी मौजूद थे सबके द्वारा प्रशासन को अवगत कराया आरोपी को फांसी दो फांसी दो कलेक्टर ऑफिस में फांसी दो फांसी दो आरोपी को फांसी दो नारे लगाए एवं प्रशासन को अवगत कराया नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष ललित पटेल गुर्जर एवं महिला मोर्चा हरदा जिला अध्यक्ष सुनीता बागरे गुर्जर द्वारा कहा गया अगर प्रशासन द्वारा अतिशीघ्र कार्यवाही नहीं होती है तो उग्र आंदोलन हरदा में किया जाएगा इसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

मेट्रो एंकर जन अभियान परिषद ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई

देश को एकात्म मानववाद के सिद्धांत की आवश्यकता लोग संस्कार व समन्वय के साथ आगे बढ़े...

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नर्मदापुरम द्वारा शिव पार्वती गार्डन में संभाग स्तरीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई गई। इस दौरान जिले के सभी नवांकुर, परामर्शदाता एवं प्रस्फुटन समितियां एवं समाजसेवी उपास्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी जनपद सदस्य आशुतोष शरण तिवारी, सरपंच श्रीमती रीना तिवारी जन अभियान परिषद संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी, जिला समन्वयक पवन सहगल द्वारा पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया।

आशुतोष शरण तिवारी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का पूरा जीवन दूसरों के लिए प्रेरणा, प्रबल राष्ट्रवाद व आम लोगों के लिए समर्पित रहा। अंत्योदय, एकात्म मानववाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के रूप में भारत के वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक परिवेश को किसी विचारक व राजनेता ने इतना प्रभावित नहीं किया जितना पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने किया। संभाग समन्वयक श्री कौशलेश तिवारी ने बताया की अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के विकास की बात की थी। उनके बताए अंत्योदय के मंत्र पर मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास के आधार पर काम कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा आज देश को एकात्म मानववाद के सिद्धांत की आवश्यकता है। लोग संस्कार और समन्वयक के साथ मिलकर देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करें यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि सरपंच श्रीमती रीना तिवारी ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के कार्यो का यदि हमें अनुसरण करना है तो हमें उनकी विकास के मॉडल को अपनाना होगा उन्होंने अंत्योदय और अंतिम व्यक्ति के विकास की जो बात कही है उसको सच्चे मन से लागू करना होगा तभी उनके सपने को साकार कर सकेंगे। जिला समन्वयक पवन सहगल ने बताया की महापुरूषों की जयंती और पुण्यतिथि के माध्यम से उनकी विचारधारा से लोगों को जागरूक करने का जो पवित्र कार्य कर रहे हैं वह अदभुत है। पं दीनदयाल का संपूर्ण जीवन प्रेरणादाई है, हम सबको उनसे सीखना चाहिये। हमें अपना जीवन का ध्येय विपरीत परिस्थितियों ध्येय नहीं खोना चाहिए।

भाजपा से जुड़े 1 दिन में चार हजार नए सदस्य विधायक उमाकांत शर्मा ने जोड़े 11 हजार

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में संगठन पर्व अंतर्गत आयोजित भारतीय जनता पार्टी ने महासदस्यता अभियान में बुधवार को विधानसभा में चार हजार नए सदस्य जुड़े,इसके साथ ही विधानसभा में संगठन द्वारा गुरुवार की सुबह जारी किए गए आंकड़ों में कुल सदस्य संख्या बत्तीस हजार आठ सौ पंद्रह हो गई है। बुधवार को यह सदस्य संख्या अट्ठाइस हजार आठ सौ पंद्रह थी।

उल्लेखनीय है की संगठन के निर्देश पर सदस्यता अभियान के प्रथम चरण के अंतिम दिन प्रत्येक मतदान केंद्र पर यह अभियान के रूप में आयोजित किया गया था। जिसमे कार्यकर्ताओं ने बढचढकर सहभागिता करते हुए चौक चौराहे,गली मोहल्लों एवं गांवो में सदस्यता की थी। इस मौके पर विधायक उमाकांत शर्मा स्वयं मोटर सायकल पर सवार होकर अभियान में लगे कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचकर उत्साहवर्धन करते नजर आ रहे थे।

हालांकि देर शाम को मौसम के प्रतिकूल होने से यह अभियान प्रभावित हुआ नही तो यह संख्या और अधिक पहुंच सकती थी। अभियान के दौरान विधायक शर्मा के माध्यम से सदस्यता कराने के लिए आम नागरिकों में खासा उत्साह दिखाई दिया। कार्यकर्ता भी बदचड़कर विधायक उमाकांत शर्मा के लिए सदस्यता अभियान को गति प्रदान करने में लगे है। अभियान का अगला चरण एक अक्टूबर से पंद्रह अक्टूबर तक चलेगा।

उमाकांत शर्मा की रेफर आईडी से बने एक हजार नए सदस्य - बुधवार को आयोजित अभियान में सदस्यता अभियान से जुड़े चार हजार नए सदस्यों में से एक हजार सदस्य विधायक उमाकांत शर्मा की रेफर आईडी से जुड़े। बुधवार की सुबह उनका व्यक्तिगत सदस्यता का आंकड़ा दस हजार का था जो गुरुवार को अभियान के बाद बडकर ग्यारह हजार से अधिक हो गया है। गौरतलब ही की संगठन ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं मंडल पदाधिकारियों के लिए सदस्यता के लक्ष्य तय किए है। जिसमें विधायको को पंद्रह हजार का लक्ष्य दिया गया है। इसके अलावा सामान्य कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्यता के लिए सौ नए सदस्यों को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

'सुजल- शक्ति अभियान' का क्रियान्वयन 28 से

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जल जीवन मिशन अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा संबंधित विभागों के संयुक्त प्रयासों एवं समन्वय से 28 सितम्बर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक ÷सुजल- शक्ति अभियान÷ (सुरक्षित जल शक्ति अभियान) का आयोजन चयनित ग्रामों में किया जाएगा। इस अभियान की थीम जल हमारा जीवन धारा है, जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जलापूर्ति प्रणालियों के बारे में समुदाय की समझ बेहतर बनाना, समुदाय में योजना के प्रति स्वामित्व की भावना पैदा करना एवं सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देना है। यह अभियान लक्षित गांवों में 24 घंटे सातो दिन जलापूर्ति, हर घर जल प्रमाणीकरण एवं उत्सव आयोजित करने हेतु एक मंच भी प्रदान करेगा।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मलय श्रीवास्तव ने समस्त जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को ग्राम स्तर पर ष् सुजल शक्ति÷ अभियान के सफल कार्यान्वयन हेतु कार्यवाही की जाने हेतु निर्देशित किया है।

जारी पत्र में उल्लेख है कि चिन्हित मापदंडों के आधार पर ग्रामों का चयन किया जाए। जिले द्वारा संयुक्त हस्ताक्षर से संबंधित पंचायतों को ग्राम सभा में सुजल - शक्ति अभियान को जोड़ने, निर्धारित आईईसी सामग्री एवं मार्गदर्शिका जारी करने संबंधी पत्र जारी किया जाए एवं अभियान के उद्देश्यों, गतिविधियों और प्रत्येक हितधारक की भूमिकाओं को रेखांकित करते हुए सभी संबंधित विभागों को पत्र की प्रतिलिपि देवें। अभियान की गतिविधियों में भाग लेने, प्रभावी संचालन में सहयोग देने हेतु जिले के अधिकारी, कर्मचारियों को ग्राम वार प्रभारी बनाया जाए। राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) नेहरू युवा केन्द्र संगठन, भारत स्काउट और गाइड, जन अभियान परिषद, अन्य युवा संगठनों को अभियान की ग्राम स्तरीय गतिविधियों में जोड़ने की कार्यवाही की जाए। जल गुणवत्ता एवं जल सुरक्षा गतिविधियों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी जागरूकता एवं अंतरव्यक्तिव संवाद गतिविधियों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, जलापूर्ति, संचालन, संधारण एवं अभियान गतिविधियों में स्व-सहायता समूहों एवं बच्चों से संबंधित गतिविधियों हेतु शिक्षकों को प्रभारी बनाया जाए।

जनपद पंचायत लटेरी की ग्राम पंचायत जावती के पंचायत सचिव निलंबित

सिरोंज। जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन ने शासकीय कार्यो में लापरवाही बरतने तथा शोकाज नोटिस जारी करने के बावजूद भी कोई जबाव प्रस्तुत नहीं करने पर जनपद पंचायत लटेरी की ग्राम पंचायत जावती के सचिव रामकिशन बघेल को निलंबित करने का आदेश जारी कर दिया है। पंचायत सचिव श्री बघेल का मुख्यालय जनपद पंचायत लटेरी रहेगा तथा उन्हें निलंबन काल में नियम अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

जिला प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

ग्राम लाड़पुर में 79.5 हेक्टेयर जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

साढे पांच हेक्टेयर भूमि में बोई फसल नष्ट कराई, जिसका बाजार मूल्य 12 करोड़ रूपए

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा जिले में शासकीय भूमि पर हुए अतिक्रमणो को सर्वोच्च प्राथमिकता से हटाए जाने के निर्देश सभी एसडीएमो को दिए गए है उन्होंने चरनोई भूमि पर भी किसी भी प्रकार से अतिक्रमण ना हो का अभियान क्रियान्वित कराने के निर्देश समस्त एसडीएमो को दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में शमशाबाद तहसील क्षेत्र के ग्राम लाडपुर में 79.5 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई है। जिसका बाजार मूल्य 12 करोड रूपए आंकलित किया गया है। उक्त चरनोई की भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा साढे पांच हेक्टेयर में बोई गई फसल को नष्ट करने की कार्यवाही के साथ-साथ अन्य अतिक्रमणकारियों द्वारा

तार फेसिंग सहित अन्य माध्यमों से अतिक्रमण की गई कुल 79.5 हेक्टेयर भूमि को पुलिस प्रशासन व राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण मुक्त कराया है।

शमशाबाद एसडीएम अजय प्रताप सिंह पटेल ने बताया कि गुरूवार 26 सितम्बर को अतिक्रमण विरोधी मुहिम हेतु थाना शमशाबाद से उपरोक्तानुसार पुलिस बल प्राप्ति के उपरांत अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। समुचित कार्यवाही निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हुई हैं अतिक्रमणकारियों के द्वारा बोयी गई फसल को टेउक्टरो में विभिन्न उपकरणो को लगाकर एवं जेसीव्ही मशीन की मदद से विनिष्ठिकरण की कार्यवाही की गई है।

अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्यवाही के दौरान शमशाबाद नटेरन एसडीएम श्री अजय प्रताप सिंह पटेल, तहसीलदार श्री दीपक द्विवेदी, थाना प्रभारी श्री जसवंत मीना, राजस्व अमला सहित अन्य अधिकारी व स्टाफ मौजूद रहा।

समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खरीदी के लिए किसान पंजीयन जारी, 20 अक्टूबर तक होंगे रजिस्ट्रेशन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

खरीफ उपार्जन वर्ष 2024 (विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन के लिये किसान पंजीयन 20 अक्टूबर 2024 तक किये जाएंगे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपेड़िया ने किसान भाईयों से अपील है कि पंजीयन की निशुल्क व्यवस्था जैसे - स्वयं के मोबाईल एम.पी. किसान एप के माध्यम से एवं सहकारी समिति कार्यालय द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रो पर करा सकेंगे इसके लिए विदिशा में 11 विदिशा नगर में 1 बासौदा 08 त्योंदा में 05 ग्यारसपुर 04 गुलाबगंज 04 कुरवाई 10 पठारी 03

नटेरन 07 शमशाबाद 07 सिरोंज 18 लटेरी कुल 85 पंजीयन केन्द्रों पर किये जा रहे हैं। पंजीयन की सशुल्क 50 रूपये के साथ जैसे - एम.पी. ऑनलाईन, कियोस्क, लोक सेवा केन्द्रों एवं कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क पर निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर भी किये जा सकते हैं। कृषक भाई अपनी उपज का पंजीयन कराने से पहले आधार नंबर से बैंक खाता एवं मोबाईल नंबर को लिंक आवश्यक रूप से करा लें। अधिक जानकारी हेतु कंट्रोल रूम दूरभाष क्रमांक 07592-233153 रहेगा। अतरू किसान भाईयो से अपील है कि अपनी सोयाबीन फसल का अधिक से अधिक पंजीयन करावें।

भाजपा नेता अशोक जैन खर्चा के साथ हुई मारपीट पुलिस ने दो अज्ञात व्यक्तियों पर किया प्रकरण दर्ज

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को सुबह के समय भाजपा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता अशोक जैन खर्चा पर जानलेवा हमला कर दिया इसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

अशोक जैन खर्चा सुबह मंदिर से वापस अपने घर जा रहे थे तभी पीछे से एक व्यक्ति आता है वहां हमला करने लगता है एक व्यक्ति और आता है मारपीट कर करते है। इसके वजह भाग कर वहां घर में जाकर अपनी जान बचाते हैं उसके बाद अशोक जैन खर्चा समाज के लोगों के साथ थाने पहुंचते हैं और थाना प्रभारी संदीप सिंह पवार को पूरी घटना की जानकारी देते हैं

साथ ही गली में लगी सीसीटीवी कमरे में दो व्यक्ति मार्क्स लगाकर मोटरसाइकिल से जाते हुए नजर आ रहे हैं।

उनके फोटोग्राफ भी पुलिस को उपलब्ध कराए गए हैं। अशोक जैन खर्च की शिकायत पर पुलिस ने दो अज्ञात व्यक्तियों पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है साथ ही सन्देही के रूप में भी हमला करवाने वालों के नाम भी बताए हैं पुलिस सभी पहलुओं पर अभी जांच कर रही है। जांच के बाद ही आगे कार्रवाई करने की बात की जा रही है। थाना प्रभारी संदीप सिंह पंवार ने बताया कि अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज करके पूरे मामले की जांच कर रहे हैं जांच के बाद ही कुछ बता पाएंगे।

मेट्रो एंकर स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित हुई

एलबीएस कॉलेज में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत निकाली रैली

- महात्मा गांधी की प्रतिमा को स्वच्छ जल से धोया
- महाविद्यालय परिसर को किया पॉलिथीन मुक्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

नगर के शासकीय लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रहीं हैं । इसी अनुक्रम में महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी महेश चंद्र परमार के निर्देशन में महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। एनएसएस,एनसीसी,स्पोर्ट्स एवं अन्य विद्यार्थियों के साथ पूरे स्टाफ ने महाविद्यालय परिसर की साफ सफाई कर महाविद्यालय को पॉलिथीन मुक्त किया ।

परिसर में स्वच्छता अभियान के पश्चात क्रीड़ा अधिकारी वसीम उल्ला खान के मार्गदर्शन में स्वच्छता रैली निकाली गई। रैली में विद्यार्थी एवं स्टाफ ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्राचार्य डॉक्टर लालचंद राजपूत, वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर सीताराम तिवारी के साथ समस्त स्टाफ रैली के साथ विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन कर रहे थे। विद्यार्थी प्रेरक नारे लगाते हुए पंक्तिबद्ध चल रहे थे। छतरी नाका पहुंचते ही महात्मा गांधी जी की प्रतिमा को स्वच्छ जल से धोकर आसपास की साफ सफाई की गई। रैली को व्यवस्थित एवं अनुशासित ढंग से संचालित करने के लिए एनसीसी के अंडर ऑफिसर आदर्श सिंह सेंगर, अंडर ऑफिसर माही शर्मा एवं एनएसएस इकाई के दल नायक संजीव जाटव का विशेष योगदान रहा।

महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष शिवकुमार भार्गव ने स्वच्छता अभियान को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए स्टाफ एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

प्रदेश भर में सेन समाज आक्रोशित, लगा रही है न्याय की गुहार : विनोद सेन

सिरोंज । मध्यप्रदेश कांग्रेस केश शिल्पी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद सेन ने हरदा के छीपाबड़ थाना क्षेत्र के ग्राम टेमला वाडी खेड़ा के सेन परिवार की 5 साल की बालिका के साथ दुष्कर्म की घिनौनी घटना की घोर निंदा करते हुए कहा की इस घटना ने प्रदेश को एक बार फिर शर्मशार कर दिया है। छीपाबड़ थाना क्षेत्र के ग्राम टेमला वाडी खेड़ा में सोमवार की शाम 5 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म का मामला सामने आया। आरोपी बालिका को कुरकुरे खिलाने के बहाने ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस को बालिका गांव में नदी किनारे बेहोशी की हालत में मिली जिसे गंभीर अवस्था में सिराली अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां डॉक्टर द्वारा मेडिकल परीक्षण कराने पर दुष्कर्म की पुष्टि हुई। इस घटना से जहां स्थानीय लोग आहत हुए हैं वहीं प्रदेश भर में सेन समाज में आक्रोश व्याप्त है। बच्ची से दुष्कर्म की खबर फैलते ही गई सेन समाज के लोग भी सिराली पहुंच गएऔर सरकारी अस्पताल के बाहर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विनोद सेन ने कहा की प्रदेश में बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही है, मोहन सरकार में अपराधियों में कानून का कोई खौफ नहीं बचा है। आखिर क्या कारण है की बच्चियों के साथ हो रहे यौन शोषण पर मोहन सरकार ने चुप्पी साध रखी है? प्रदेश के विकास उन्नति प्रगति और सुरक्षा के व्यवस्था के लिए जब जनता अपना प्रतिनिधि चुनौती है तो उसे अपेक्षाएं रहती हैं।

भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरा टेस्ट मैच

बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने जमाए पैर गेंदबाजों का विकेट के लिए संघर्ष जारी

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत और बांग्लादेश की टीमें दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे और आखिरी मुकाबला चल रहा है। बांग्लादेश ने 21 ओवर पूरे हो जाने के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 61 रन स्कोर कर लिए हैं. इस दौरान कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 30 गेंदों में 22 और मोमिनुल हक ने 36 गेंदों में 10 रन पर पहुंच गए हैं. कानपुर टेस्ट में बांग्लादेश ने 15 ओवर पूरे होने जाने के बाद 2 विकेट के नुकसान पर 42 रन बना लिए हैं. इस दौरान कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 9 गेंदों में 12 और मोमिनुल हक ने 21 गेंदों में 1 रन के स्कोर पर पहुंच गए हैं. आकाश दीप ने कानपुर टेस्ट में भारत को दूसरी सफलता दिलाई. पहले उन्होंने जाकिर हसन को आउट किया और अब शादमान इस्लाम को पवेलियन भेज दिया. पारी के 13वें ओवर की पहली गेंद पर आकाश ने कमाल किया. शादमान इस्लाम ने 36 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 24 रन स्कोर किए. अब कप्तान नजमुल हुसैन शांतो बैटिंग के लिए क्रीज पर आए हैं. कानपुर टेस्ट में पहले बल्लेबाजी कर रही बांग्लादेश को पहला झटका जाकिर हसन के रूप में लगा, जिन्हें भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने चलता किया. भारत को यह पहली सफलता 9वें ओवर की तीसरी गेंद पर मिली. जाकिर ने 24 गेंदों का सामना किया, लेकिन बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे. अब मोमिनुल हक बैटिंग के लिए आए हैं. कानपुर टेस्ट में पहले बैटिंग के लिए मैदान पर उतरी बांग्लादेश ने 5 ओवर में 12 रन स्कोर कर लिए हैं. इस दौरान शादमान इस्लाम ने 08 रन बना लिए हैं, जबकि दूसरे छोर पर मौजूद जाकिर हसन ने 18 गेंदें खेलने के बाद खाता नहीं खोला. भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट की शुरुआत हो गई है. गीले आउटफील्ड के कारण मुकाबला एक घंटे की देरी से शुरू हुआ है. भारतीय टीम ने कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में टॉस जीतकर बॉलिंग करने का फैसला किया है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कंडीशन को देखते हुए यह फैसला लिया. गीले आउट फील्ड के चलते टॉस में 1 घंटे की देरी देखने को मिली. भारत-बांग्लादेश के कानपुर टेस्ट में टॉस 10 बजे होगा, जबकि मुकाबले की शुरुआत 10.30 बजे से होगी. गीले आउटफील्ड के चलते मुकाबले के लिए टॉस में देरी हुई. भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट के टॉस में गीले आउटफील्ड के चलते देरी होगी. वैसे टॉस तय समय यानी 9 बजे होना था, लेकिन गीले मैदान के कारण ऐसा नहीं हो सका.

इतिहास बनाम लाज

भारत-बांग्लादेश कानपुर टेस्ट

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में शुक्रवार से खेला जाएगा। चेन्नई में एकतरफा जीत के बाद सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ टीम इंडिया का पलड़ा भारी है। अब टीम इंडिया की नजर जहाँ यह मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी,वहीं मेहमान टीम हर हाल में कानपुर टेस्ट जीतकर सीरीज ड्रॉ कराना चाहेगी। हालांकि कानपुर में होने वाले इस टेस्ट मैच में बारिश की भी आशंका है,लेकिन फिर भी टेस्ट मैच में निर्णय निकलने की उम्मीद है।अगर कानपुर टेस्ट मैच में बारिश का व्यवधान 2 दिन से कम रहा,तो फिर टीम इंडिया का इरादा बांग्लादेश टीम का टेस्ट सीरीज में 2-0 से सूपड़ा साफ कर नया इतिहास रचने का होगा,जबकि बांग्लादेश टीम की नजरें जीत या फिर कम से कम ड्रा कर अपनी लाज बचाने पर होगी।सही मायने में दोनों टीमों के बीच कानपुर टेस्ट मुकाबला इतिहास बनाम लाज भी कहा जा सकता है।वैसे अगर हम इतिहास पर नजर डालें तो फिर टीम इंडिया पिछले 12 साल से अपने घर में कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं हारी है।नवंबर 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हारने के बाद से टीम इंडिया ने घरेलू जमीन पर एक भी टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई है। इस दौरान टीम ने घर में पिछले 52 टेस्ट मैचों में सिर्फ 4(ऑस्ट्रेलिया ओर इंग्लैंड से 2-2) टेस्ट मैच गंवाए हैं।अब टीम इंडिया अगर बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज को जीतने में कामयाब रहता है तो उसके नाम महारिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा। यह उसके लिए अपने ही घर में लगातार 18वीं टेस्ट सीरीज जीत होगी।टीम इंडिया के बाद ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है।ऑस्ट्रेलिया ने अपने घर में दो बार लगातार 10 टेस्ट सीरीज जीतने का इतिहास बनाया था,जिससे टीम इंडिया अब काफी आगे है।अब अगर हम कानपुर में होने वाले टेस्ट मैच की अंतिम एकादश पर नजर डालें तो पिच के इतिहास को देखते हुए दोनों ही टीमों में तेज गेंदबाजी की जगह तीसरे फिरकी पर दांव लगाया जा सकता है।टीम इंडिया की एकादश में तीसरा फिरकी कौन रहेगा, एकादश को लेकर केवल यही रोचक सवाल कहा जा सकता है।न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली सीरीज के मद्देनजर बल्लेबाजी क्रम में कोई भी छेड़खानी की गुंजाइश कम ही रहेगी। वहीं अगर इस मैच में होने वाले टॉस की बात करें तो फिर हमारा नजरिया इस मैच में भी वही है कि टॉस का किरदार तभी अहम रहेगा, जब टॉस जीतने वाली टीम पहली पारी में निर्णायक बढ़त हासिल करे,वैसे भी टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का मकसद तभी सार्थक साबित होता है जब मैच आखिरी दिन तक चलता है।

पंत की शीर्ष 10 में वापसी, रोहित और विराट खिसके

नई दिल्ली. एजेंसी

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी के साथ ही आइसीसी रैंकिंग में भी धमाकेदार एंट्री की है। पंत (731 रेटिंग अंक) बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शतक जड़ने के साथ आइसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 10 बल्लेबाजों में शुमार हो गए हैं। वे बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल (751) पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। रोहित पांच स्थान के नुकसान के साथ 10वें और कोहली पांच स्थान गिरकर 12वें नंबर पर लुढ़क गए हैं।

एम्बापे ने रियाल मैड्रिड के लिए पांचवें मैच में दागा गोल

मैड्रिड. एजेंसी

फ्रांस के किलियन एम्बापे ने शानदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए रियाल मैड्रिड की ओर से लगातार पांचवें मैच में गोल दागा। एम्बापे इस सीजन में ला लीगा के पांच मैचों में छह गोल कर चुके हैं, जबकि उन्होंने सभी टूर्नामेंटों में खेले नौ मैचों में सात गोल किए हैं। इस मैच में रियाल मैड्रिड ने अलावेस को 3-2 से शिकस्त दी। रियाल की ओर से लुकास वाजक्वेज ने पहले ही मिनट में गोल किया, जबकि एम्बापे ने 40वें और रोड्रिगो ने 48वें मिनट में गोल दागे।

लीग कप: मैनचेस्टर सिटी ने वॉटफोर्ड को हराया

आर्सेनल के खिलाफ प्रीमियर लीग में कड़ा मुकाबला खेलने के दो दिन बाद मैनचेस्टर सिटी ने टीम में काफी बदलाव करने के बाद इंग्लिश लीग कप के तीसरे दौर के मैच में वॉटफोर्ड को 2-1 से हरा दिया। सिटी की इस जीत के नायक जेरेमी डोकू (पांचवें मिनट) और मैथियूस न्यून्स (38वें मिनट) रहे जिन्होंने पहले हाफ में ही अपनी टीम को दो गोल की बढ़त दिला दी थी। इसके अलावा चेल्सी, एस्टन विला और लीसेस्टर ने भी अपने

39 मैच से अजेय है रियाल मैड्रिड

ला लीगा में रियाल की टीम 39 मैचों से अजेय है। इसमें पिछले सत्र की 29 जीत और 10 ड्रॉ भी शामिल हैं। हालांकि अलावेस ने 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज और 86वें मिनट में किके गार्सिया के गोल की वापसी की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

ताइवान के चिया-मिंग ने यूट्यूब से सीखी कबड्डी

अब प्रो कबड्डी लीग में दिखा रहे दम

नई दिल्ली. एजेंसी

ताइवान के चिया-मिंग चांग ने हाई स्कूल में यूट्यूब पर कबड्डी को देखा तो उनकी इस खेल में दिलचस्पी बढ़ी। उन्होंने अपने कोच को इस खेल के बारे में बताया तो उन्हें भी यह रोचक लगा और चिया-मिंग ने इसका प्रशिक्षण लेना शुरू किया। अब यह ताइवानी खिलाड़ी प्रो कबड्डी लीग में बंगाल वारियर्स का प्रतिनिधित्व कर रहा है। चिया-मिंग हाई स्कूल में कुश्ती किया करते थे, लेकिन कबड्डी देखने के बाद उन्होंने पहलवान बनने का इरादा बदल दिया। चिया-मिंग ने बताया कि ताइवान में इस खेल को कोई नहीं जानता, वहां इसके लिए कोई कोचिंग एकेडमी भी नहीं है। मैंने बस यूट्यूब पर इसके वीडियो देखे और कैचिंग, ब्लॉकिंग और मूव्स का अभ्यास किया।

ऑटो मोबाइल: ईवी सहित सभी कारों को पछाड़ दिया

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीयों को अब सीएनजी कारें ज्यादा भा रही हैं। वर्ष 2024 में जनवरी से अगस्त तक कारों की बिक्री की रफ्तार में सीएनजी कारों ने पेट्रोल, डीजल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक कारों (ईवी) तक को पछाड़ दिया है। इस साल सीएनजी कारों की बिक्री 46त्न बढ़ी है। वहीं पेट्रोल कारों की बिक्री 4.5 फीसदी घटी है। हालांकि डीजल के साथ ईवी और हाइब्रिड कारों का बिक्री बढ़ी है। अब मिड-वेरिएंट्स में कई सीएनजी मॉडल उपलब्ध हैं, जिससे पता चलता है कि लोग निजी इस्तेमाल के लिए सीएनजी को विकल्प के तौर पर अपना रहे हैं। बिकने वाली कारों की संख्या देखें तो सीएनजी वाहनों की बिक्री अब पेट्रोल वाहनों की बिक्री का है। जैटो डायनामिक्स के अध्यक्ष रवि भाटिया ने कहा, दुनिया भर में ईवी की वृद्धि धीमी हो रही है, इसलिए भारत का वाहन बाजार वैकल्पिक ईंधन की ओर रुख कर रहा है। सीएनजी सस्ती और व्यावहारिक होने के कारण टैक्सी और छोटे वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में लोकप्रिय है। दमदार प्रदर्शन और ईंधन का कम खर्च के बारे में सोचने वाले ग्राहकों के बीच हाइब्रिड वाहन भी लोकप्रिय हो रहे हैं। ऑटोमोबाइल कारोबारियों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने से सीएनजी कारें लोगों को ज्यादा भा रही है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पहली मुलाकात के समय एक्टर राजकुमार से डरी हुई थीं एक्ट्रेस पत्रलेखा

पत्रलेखा और राजकुमार बॉलीवुड के मोस्ट लविंग कपल्स में से एक रहे हैं। कपल की एक दिलचस्प प्रेम कहानी रही है। पत्रलेखा ने राजकुमार राव के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया और बताया, मैंने अभी-अभी एलएसडी देखी थी। उनकी पहली फिल्म। लगभग तीन दिन बाद, मेरी एक स्कूल की दोस्त ने मुझे फोन किया, उसने कहा, क्या तुम मेरे लिए यह वीडियो कर सकती हो, यह एक म्यूजिक वीडियो है, मैं राजकुमार नामक एक अभिनेता को बुला रही हूं। वह अभी एलएसडी में था। अभिनेत्री ने आगे बताया कि मैंने कहा, नहीं, मैं नहीं आ रही हूं क्योंकि मुझे लगता है कि वह बहुत डरावने हैं और मैं डर गई थी। वह कह रही थी, कुछ नहीं होगा, हम तुम्हारे लिए एक कार भेजेंगे और तुम अपनी बहन को अपने साथ क्यों नहीं ले जाती? मैंने कहा, ठीक है, देखते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपनी बहन को अपने और राजकुमार के बीच बैठाया और वे बातें करने लगे। मैंने अपनी बहन को भी बात करने से मना कर दिया था। मुझे अजीब लग रहा था क्योंकि वह उस फिल्म के खौफनाक आदमी थे। पत्रलेखा ने बताया कि कैसे वह आखिरकार राजकुमार के प्यार में पड़ गईं।

सब्जियों में लगी आग, त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में भी उबाल, मसाला भी हुआ 'गरम'

नईदिल्ली. एजेंसी

देश में खुदरा महंगाई बढ़ने की दर पिछले दो महीने से 4त्न से नीचे है, लेकिन बढ़ती महंगाई के कारण लोगों की रसोई से हरी सब्जियां गायब हैं। खुदरा बाजार में लहसुन 400 रुपए किलो बिक रहा है। लौकी-तुरई जैसी सब्जियां 60 से 80 रुपए किलो बिक रही है। फूल गोभी 100 से 120 रुपए किलो बिक रही है। थाली में मुख्य भोजन के तौर पर शामिल आलू-प्याज जैसी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। दो साल में आलू-प्याज,टमाटर की कीमतें दोगुनी होगई हैं। मसूर को छोड़ अन्य दालों के दाम भी तेज हो गए। **मसालों की कीमतों में तेज उछाल:** पिछले कुछ महीनों में मसालों और खाद्य तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। थोक बाजार में जीरा 27,000 रुपए प्रति क्विंटल के स्तर पर पहुंच गया है, जिसके 29,000 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचने का अनुमान है। जेएनयू के सेवानिवृत्त प्रोफेसर अरुण कुमार ने कहा, देश में सप्लाई व्यवस्था उतनी बेहतर नहीं है, जितनी विकसित देश में होती है। सरकार स्टोरेज और आपूर्ति को बेहतर तरीके से प्रबंधन करे तो कीमतों को बढ़ने से रोका जा सकता है। **सब्जियां तरेर रही आंखें:** आरबीआइ ने माना है कि आलू-प्याज-टमाटर के दाम बीते दो वर्ष में दोगुना या उससे भी अधिक बढ़ गए हैं। सितंबर 2022 से सितंबर 2024 के बीच सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े हैं। सितंबर 2022 में टमाटर का औसत मूल्य 20 रु. प्रति किलोग्राम से नीचे थे, लेकिन अब यह 50 रुपए के करीब है। इसी तरह से प्याज के औसत दाम देश के कई हिस्सों में 70 से 100 रु. प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए हैं। आलू की कीमत भी 50 रुपए किलो है। हरी सब्जियों के भाव पहले से ही आसमान पर हैं। वहीं सरकार ने थोक बाजारों में 'बफर स्टॉक' से बिक्री बढ़ाकर प्याज की कीमतों पर अंकुश लगाने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

एयरपोर्ट पर खराब अनुभव से गुजरीं दिव्या

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने एयरपोर्ट पर एक परेशानियों से भरा डरावना अनुभव सोशल मीडिया पर साझा किया है। दिव्या दत्ता ने बताया कि उन्हें कैसे एयरपोर्ट पर पहुंच कर चेक इन करने के बाद उन्हें पता चला कि उनका विमान रद्द हो चुका है। फ्लाइट को लेकर कोई घोषणा भी नहीं की गई। न ही रद्द होने का कोई मैसेज उनके पास आया। दिव्या ने कहा कि वह एयरपोर्ट पर बहुत असुरक्षित महसूस कर रही थीं। अभिनेत्री दिव्या दत्ता सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में एयरपोर्ट पूरी तरह से खाली नजर आ रहा है। दूर एक बेंच पर एक युवक बैठा दिख रहा है। इस वीडियो को शेयर कर दिव्या ने लिखा, तड़के ऐसे डरावने अनुभव के लिए धन्यवाद। मैंने एक रद्द की गई फ्लाइट के लिए चेक इन किया है। इस फ्लाइट के लिए मुझे कोई नोटिफिकेशन भी नहीं मिला है। मुझे यहां से बाहर निकलने के लिए भी बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा है। मदद के लिए कोई स्टाफ भी मौजूद नहीं था। इस कारण मेरा शूट भी प्रभावित हुआ है, मैं बहुत बुरी तरह परेशान हूं।

आदित्य धर की एक्शन फिल्म के लिए रणवीर सिंह ने कसी कमर

रणवीर सिंह ने 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना का थाईलैंड में एक महीने का पहला शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसके बाद वह फिल्म की शूटिंग दोबारा शुरू करने जा रहे हैं। अभिनेता रणवीर सिंह के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी की खबर है। रणवीर सिंह नवंबर के शुरुआत में 'उरी' के निर्देशक आदित्य धर की बहुप्रतीक्षित परियोजना की शूटिंग फिर से शुरू करने वाले हैं। बता दें कि हाल ही में अभिनेता के घर बेटी का आगमन हुआ है। वह अपनी पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ बच्ची के जन्म का जश्न मना रहे हैं। खुशियों के इस मौके पर अभिनेता के प्रशंसकों के लिए उत्सुकता और उत्साह से भरी खबर सामने आई है। 'बैंकॉक, थाईलैंड में हमारी शूटिंग बहुत ही उत्पादक रही है। अब रणवीर अगले शेड्यूल के लिए नवंबर में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम इस समय कई जगहों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दे सकते हैं, लेकिन पहले शेड्यूल में हमने जो उच्च गुणवत्ता वाला उत्पाद देखा है, उसके बाद अगले अध्याय के लिए उत्साह बहुत अधिक है।'

आरोपियों को कोर्ट में पेश कर सकती है पुलिस, फिलहाल कोर्ट में पेश करने की बात छिपा रही

फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलेगा मुकदमा, एसआईटी का किया गठन, मल्टी के रहवासी अब भी नाराज

भीड़ से बचकर कराया पीएम, पुलिस के साए में मासूम का किया अंतिम संस्कार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ईदगाह हिल्स स्थित मल्टी में पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म करने के बाद हत्या करने वाले हत्यारे और उसकी मां समेत बहन को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से हत्यारे की मां और बहन को गिरफ्तार किया था। उनकी गिरफ्तारी पुलिस बल की मौजूदगी में महज कुछ सेकंड के अंदर कर ली गई। इसके चंद सेकंड बाद पुलिस बल की मौजूदगी में पुलिस बच्ची का शव टंकी समेत लेकर गाड़ी में रखकर निकले। पुलिस को पूरा अनुमान था कि यदि थोड़ा भी समय अधिक हुआ तो आक्रोशित भीड़ बखेड़ा खड़ा कर देगी। आज-कल में पुलिस आरोपियों को कोर्ट में पेश कर सकती है, लेकिन आरोपियों को कोर्ट में पेश करने की बात भी पुलिस छिपा रही है। दरअसल, रहवासियों के आक्रोश के आगे पुलिस ने पसीना छोड़ दिया था। सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक रहवासियों के आक्रोश का सामना पुलिस को करना पड़ा। इस दौरान रहवासियों ने पुलिस को जमकर खरीखोटी सुनाई। पुलिस बच्ची का शव हमीदिया मर्चूरी न ले जाते हुए एम्स

लेकर पहुंची। पुलिस को पता था कि मल्टी से हमीदिया अस्पताल पास है और हंगामा हो सकता है। लिहाजा पुलिस बच्ची का शव एम्स लेकर पहुंची और परिजन को भी साथ ले गई। वहां बच्ची का पीएम कराने के बाद पुलिस परिजन और शव लेकर छोला विश्राम घाट पहुंची। विश्राम घाट में बच्ची का अंतिम संस्कार किया गया। आरोपियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा मिले इसके लिए मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाया जाएगा। इसके अलावा मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी का भी गठन किया गया है।

विधायक निधि से लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

परिसर के लोगों ने थाने के सामने भी जमकर हंगामा किया था। हंगामा कर रहे लोगों का कहना था कि मल्टी और पूरा परिसर शराब समेत अन्य नशे के कब्जे में है। यहां शराब के अलावा, गांजा, अफीम और अन्य सूखे नशे लोग करते हैं और बेचते भी हैं। परिसर के लोगों ने पुलिस के कुछ कर्मचारियों को भी नशे के इन कारोबारियों पर संरक्षण देने का आरोप लगाया है। आलाधिकारियों ने समझाइश दी कि जल्द ही विधायक निधि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

दो दिन से लापता युवक की भदभदा पुल के नीचे मिली लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दोस्त से मिलने का कहकर निकला था मृतक

रातीबढ़ थाना क्षेत्र स्थित भदभदा पुल के नीचे तालाब से गुरुवार सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। वह दो दिन से लापता था और उसकी गुमशुदगी परिजनों ने दर्ज करा दी थी। फिलहाल इस बात का खुलासा नहीं हो सका है कि युवक ने पानी में कूदकर आत्महत्या की है अथवा दुर्घटनावश वह पानी में गिरा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सूरज नगर गोरा गांव निवासी शिवराज मेहर पुत्र कुंदन सिंह मेहर (25) पिछले कुछ दिनों तक कपड़े की एक दुकान पर काम करता था लेकिन इन दिनों काम पर नहीं जा रहा था। विगत 24 सितंबर को वह झांकी का सामान लेने अपने भाई के साथ घर से निकला था। रात करीब 8 बजे वह भदभदा चौकी के पास मोटरसाइकिल से नीचे उतर गया और अपने भाई से कहा कि तू घर चला जा, मैं अपने दोस्त से मिलने जा रहा हूं। एसआई केसी मिश्रा ने बताया कि उसके बाद से ही शिवराज लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। खोजबीन के दौरान पता चला कि वह अपने दोस्त के घर नहीं गया था। हर संभव ठिकानों पर तलाश की गई लेकिन उसका सुराग नहीं लग सका। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे भदभदा पुल के नीचे हनुमान मंदिर के पास शिवराज का शव पानी में उतराता नजर आया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव पानी से बाहर निकाल लिया था। परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। पुलिस का कहना है कि शिवराज ने पानी में कूदकर आत्महत्या की है।

भोपाल। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मौलाना बरकतुल्लाह भोपाली की बरसी पर जलसा यादें कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान बरकतुल्लाह अध्यक्ष हाजी हारून मौजूद रहे।

भोपाल। डाक भवन में ऐसे डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगी है जिन्हें लोगों ने घर में संग्रहित कर रखा है।

काकड़ा मिल में झुलसे युवा कर्मचारी की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित औद्योगिक क्षेत्र की काकड़ा मील में एक महीने पहले आग से झुलसे युवा मजदूर की इलाज के दौरान निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ने बताया कि अतुल पिता मिड्डुलाल (19) क्रशर झुग्गी, अयोध्या नगर में रहता था और औद्योगिक क्षेत्र स्थित काकड़ा मील में नौकरी करता था। गत 20 अगस्त को कंपनी में काम कर रहा था। काम करते समय वह झुलस गया। करीब 60 फीसदी जलने के बाद उसे चूनाभट्टी स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां इलाज के दौरान 25 अगस्त बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई।

एटीएम के अंदर गैंती से तोड़फोड़ करने वाले आरोपी गिरफ्तार

बूथ में घुसे थे तीन आरोपी, दो बाहर दे रहे थे पहरा, अयोध्या नगर में चौराहा पर की थी चोरी की कोशिश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित नरेला जोड़ पर केनरा बैंक एटीएम में घुसकर तोड़फोड़ करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जल्द ही आरोपियों से सनसनीखेज वारदात का खुलासा किया जा सकता है। हालांकि एटीएम में गैंती से तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों के हाथ नगदी नहीं लगी थी। जानकारी के अनुसार नरेला जोड़ के पास केनरा बैंक का एटीएम है। 18-19 सितंबर, शुक्रवार-शनिवार की रात करीब डेढ़ बजे तीन युवक गैंती लेकर बूथ में घुसे। तीनों मुंह पर कपड़ा बांधे हुए थे। दो युवकों ने एटीएम के अगले हिस्से में गैंती फंसाई और एटीएम को उखाडने् का प्रयास करने लगे। इस दौरान एक युवक पास ही खड़े होकर मोबाइल पर किसी से बातचीत कर रहा था।

दो बदमाश खड़े थे बाहर

एटीएम के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखने पर अंदर केवल तीन लोग ही नजर आएड़थे। पुलिस ने इलाके में लगे फुटेज देखने के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों की माने तो इन तीनों आरोपियों के साथ दो अन्य आरोपी भी मौजूद थे।

नहीं तो नगदी बॉक्स तक पहुंच जाते आरोपी

जिस समय आरोपी वारदात को अंजाम दे रहे थे। उसी समय डायल 100 के सायरन की आवाज आरोपियों को सुनाईड़दी थी। सायरन सुनकर वह बाहर खड़ी एक कार के पीछे छिप गए। आरोपियों ने एटीएम में दौबारा अंदर घुसने की हिम्मत नहीं जुटाई।

प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र स्थित अशोक विहार कॉलोनी में गुरुवार सुबह प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी ने फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही पति उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गया, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन के बयान नहीं होने और सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस ने बताया कि पूजा सिसोदिया पति रोहित सिसोदिया (40) मकान नंबर 46, अशोक विहार कॉलोनी अशोका गार्डन में रहती थी। वह गृहणी थी, जबकि पति रोहित प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते है। रोहित ने पुलिस को बताया कि पूजा और उनके दो बच्चे हैं। पूजा प्रतिदिन की तरह सुबह उठी थी और अपने कामकाज कर रही थी। इसी बीच अंदर कमरे में गई और फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही वह पूजा को फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद पूजा को मृत घोषित कर दिया।

सृजन की बालिकाओं को दिया टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण

महिला अपराधों को रोकने के लिए दिलाई गई शपथ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सामुदायिक पुलिसिंग योजना के अंतर्गत बालिकाओं हेतु चलाए जा रहे सृजन अभियान के तहत बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत प्रथम चरण में उन्हें सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग, कानून का ज्ञान तथा स्वावलंबन एवं केरियर गाइडेंस का प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम आंचलिक विज्ञान केंद्र में आयोजित किया गया। दूसरे चरण में इन बालिकाओं को रीजनल साइंस सेंटर का भ्रमण कराया जाएगा तथा साइंस से जुड़ी हुई चीजों का अवलोकन कर साइंस और टेक्नोलॉजी से जुड़े हुए करियर के बारे में भी उन्हें गाइडेंस दिया जाएगा। उपरोक्त समस्त कार्य सामुदायिक पुलिसिंग योजना के अंतर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं के सशक्तिकरण एवं संरक्षण से जुड़े हुए प्रयासों के अंतर्गत किए जा रहे हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष सीनियर आईएएस प्रिंसिपल सेक्रेटरी फूड रश्मि अरुण शमी, एडिशनल सीपी पंकज श्रीवास्तव, डीआईजी कम्यूनिटी पुलिसिंग डॉ. विनीत कपूर तथा एसबीआई चीफ जनरल मैनेजर चन्द्रशेखर शर्मा शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में चीफ जनरल मैनेजर ने एसबीआई की ओर से सृजन के बालक/बालिकाओं हेतु एक कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी के तहत बस भेंट की गई। इसका कार्य संपादन परिमल संस्था के माध्यम से संचालित होगा। सुरक्षा हेतु जिम्मेदारी लेंगे रक्षा समिति के सदस्य शहर में महिला अपराधों की रोकथाम, महिला सुरक्षा एवं जागरुकता के लिए नगर एवं ग्राम रक्षा समिति को भी आमंत्रित किया जा रहा है। ताकि वह भी महिला सुरक्षा एवं बालिका सुरक्षा हेतु विशेष प्रयास करें. महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु समाज में होने वाले अपराधों के संबंध में स्वयं उनका विरोध करें तथा प्रमुख घटनाओं से भी पुलिस को तत्काल अवगत कराएं। ताकि पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सके। सभी को दिलाई गई शपथ पहले दिन गुरुवार को महिला हिंसा के विरुद्ध कार्य करने के लिए सभी को शपथ दिलाई गई। उसके बाद प्रत्येक जोन में यह प्रशिक्षण संचालित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का समापन 2 अक्टूबर को होगा. इसमें समस्त नगर रक्षा समिति को टारगेट दिया गया है कि वह कम से कम 500 नगर रक्षा समिति के सदस्यों को महिला हिंसा की रोकथाम हेतु प्रशिक्षित करें। प्रशिक्षण के बाद वह अपने-अपने क्षेत्रों, मोहल्लों एवं बस्तियों तथा रिहायशी क्षेत्रों में इसके बारे में प्रचार प्रसार करेंगे तथा उनके संज्ञान में आने वाली छोटी से छोटी घटना की सूचना पुलिस को देंगे।

बीयू में फीस नहीं भरने वाले छात्रावास के विद्यार्थियों को थमाया नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में समय पर फीस नहीं भरने पर छात्रावास के छात्रों को दुर्गा उत्सव की अनुमति नहीं देने का नोटिस चस्पा करने का मामला सामने आया है। मामला जवाहर छात्रावास का बताया जा रहा है। मामले में

बीयू प्रबंधन का कहना है कि बच्चे वहां पर अवैध तरीके से रह रहे हैं ना तो वह रजिस्ट्रेशन करते हैं और ना ही कभी फीस भरते हैं हमने यह आदेश उन्हें भय दिखाने के लिए चस्पा किया है। पूजा हमेशा होती है और होती रहेगी, दुर्गा उत्सव भी मनाया जाएगा। जारी नोटिस में कहा गय है कि अभी तक छात्रों द्वारा छात्रावास शुल्क जमा नहीं किया गया है। वर्तमान में पुनः 2 अक्टूबर 2024 से 6 अक्टूबर 2024 शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि नियत की गई है। इस तिथि के बाद प्रवेश आवेदन मान्य नहीं होंगे। इस दिनांक तक यदि छात्र छात्रावास शुल्क जमा नहीं करते हैं तो उन्हें अनधिकृत माना जाएगा। सभी छात्रों की फीस जमा नहीं होगी तो निर्धारित दिनांक तक फार्म एवं फीस जमा नहीं करने पर छात्र को अनाधिकृत मानते हुए उस पर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिसका जिम्मेदार स्वयं छात्र होगा। सभी छात्रों की फीस जमा नहीं होगी त्तो जवाहर छात्रावास में दुर्गा उत्सव की भी अनुमति नहीं दी जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022